एजेंसी देना हैं

दैनिक जनसेवा समाचार

की मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में सभी जिलों एवं तहसील में एजेंसी देना हैं इच्छुक व्यक्ति शीघ्र संपर्क करे

दैनिक

जनसेवा समाचार

MPHIN/2013/53952

web:www.jansewasamachar.com

आवश्यकता हैं

दैनिक जनसेवा समाचार

को मेहनती और शिक्षित युवकों की जो आवश्यकता हैं जो विज्ञापन लाने का कार्य कर सके।

वर्ष-21 | अंक-74 | प्रात:कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, शनिवार 28 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपये

ईरान जंग पर पीएम मोदी ने मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक लीः बोले-

देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को साफ किया है कि देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू समेत तीन मंत्रियों ने लॉकडाउन की खबरों को गलत बताया है। वहीं, पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने भी शुक्रवार को बताया कि देश में लॉकडाउन की स्थिति नहीं है। सभी रिफाइनरी 100 फीसदी कैपेसिटी से काम कर रही हैं। देश में एलपीजी प्रोडक्शन 40प्रतिशत बढ़ा है। इधर, केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया संघर्ष पर नजर रखने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली केंद्रीय मंत्रियों की कमेटी का गठन किया है। पीएम मोदी भी आज शाम पश्चिम एशिया के हालात पर सभी मुख्यमंत्रियों से चर्चा करेंगे।

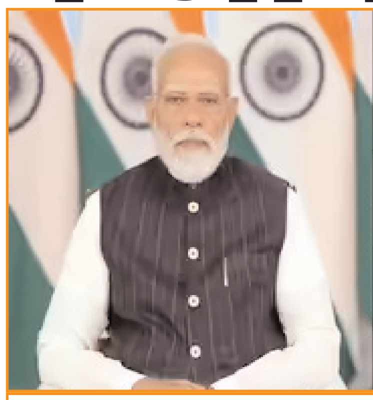

सरकार के 3 मंत्रियों ने लॉकडाउन की खबरों को नकारा--

लॉकडाउन की अफवाहें प्रधानमंत्री मोदी के 4 दिन पहले संसद में दिए गए बयान के बाद शुरू हुईं। उन्होंने कहा था कि इस युद्ध के कारण दुनिया में जो कठिन हालात बने हैं, उनका प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। हम कोरोना के समय भी एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं। शुक्रवार को सरकार के तीन मंत्रियों ने इसे नकारा है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू- लॉकडाउन की अफवाह कौन उड़ा रहा है। पीएम ने साफ तौर पर कहा था कि पैनिक नहीं होना है। आम लोगों को तकलीफ न हो इसके लिए टॉप लेवल से लेकर नीचे लेवल तक, यहां तक कि पीएम खुद मॉनीटर कर रहे हैं। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी- लॉकडाउन को लेकर फैल रही अफवाहें पूरी तरह गलत हैं। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि सरकार के स्तर पर ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। ऐसे समय में जरूरी है कि हम सभी शांत, जिम्मेदार और एकजुट रहें।

पेट्रोलियम मंत्रालय की 4 बड़ी बातें....

- ✔ कीमतें बढ़ीं, सप्लाई प्रभावित- पश्चिम एशिया के संघर्ष से क्रूड ऑयल और पेट्रोलियम उत्पाद महंगे हुए, सप्लाई चेन पर असर पड़ा।
- ✔ भारत के पास पर्याप्त स्टॉक- देश में अगले 2 महीनों के लिए कच्चा तेल उपलब्ध है। एलपीजी, एलएनजी और पीएनजी की सप्लाई भी पहले की तरह जारी है।
- ✔ रेस्टोरेंट, ढाबों को प्राथमिकता दी गई- सरकार ने पहले कॉमर्शियल सप्लाई घटाई, फिर धीरे-धीरे बढ़ाकर अब 70प्रतिशत तक कर दी। 14 मार्च से अब तक 30,000 टन एलपीजी सप्लाई की गई। रेस्टोरेंट, ढाबों को प्राथमिकता दी गई है।
- ✔ अफवाहों से पंपों पर भीड़- कुछ जगहों पर लंबी कतारें दिखीं, लेकिन सरकार ने साफ किया है कि देश में पेट्रोल-डीजल या गैस की कोई कमी नहीं है।

मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटना में दिवंगत नागरिकों के परिजन से मिल कर दी सांत्वना

दिवंगत के परिजन को संबल योजना से भी दिये जायेंगे 4-4 लाख रुपयेः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा जिले में गुरुवार को हुई सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए नागरिकों के परिजन से भेंट कर उन्हें सांत्वना प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना पीड़ादायक है। मध्यप्रदेश सरकार प्रभावित परिवारों के संकट की घड़ी में उनके साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सड़क दुर्घटना में दिवंगत नागरिकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की गई थी। इन परिवारों को संबल योजना की 4 लाख रुपये की राशि भी प्रदान की जायेगी। साथ ही दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को भी आवश्यक सहायता और निःशुल्क उपचार सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्घटना में सभी घायलों को एक-एक लाख रुपये की सहायता दी जायेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 3 ग्रामों में पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मिले

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा जिले के ग्राम करेर तहसील मोहखेड़ की श्रीमती सिया पति श्री कृष्णा इनवाती, श्री रामदास पिता श्री सुकलू पराने, श्री दौलत पवार, श्रीमती भागवती पति श्री दान सिंह और श्रीमती शकुन पत्नी श्री लखीचन्द्र यादव के निवास जाकर मुलाकात की। ग्राम करेर में प्रभावित परिवारों से मिलने के बाद मुख्यमंत्री ग्राम ग्वारा और ग्राम झिरिया पहुंचे। उन्होंने यहां प्रभावित परिवारों के सदस्यों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और संबल प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावित परिवार के सदस्यों से चर्चा कर कहा कि दुख की इस घड़ी में मध्यप्रदेश सरकार आपके साथ है।

2 से ज्यादा बच्चे वालों को भी मिलेगी सरकारी नौकर

एमपी में बदलेगा 25 साल पुराना नियम

भोपाल। सरकारी नौकरी में दो-बच्चों की पाबंदी हटने जा रही है। सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रस्ताव तैयार कर लिया है और इस पर सहमति बन गई है। इसे जल्द ही कैबिनेट में रखा जाएगा। इसके बाद तीसरी संतान होने पर किसी कर्मचारी को बर्खास्त नहीं किया जा सकेगा। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। यह प्रतिबंध 2001 में दिग्विजय सिंह सरकार ने सिविल सेवा नियम, 1961 में संशोधन कर लागू किया था।

एमपी के बीजेपी सांसद बोले-

धर्म बदला तो आरक्षण हो खत्म

भोपाल। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान जनजातीय समाज की अस्मिता और धर्मांतरण का मुद्दा गरमाया रहा। मध्य प्रदेश से बीजेपी सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी ने दो टूक कहा कि धर्मांतरण कर चुके आदिवासियों को जनजातीय आरक्षण के दायरे से बाहर किया जाना चाहिए। उन्होंने इसे जनजातीय पहचान और अधिकारों से जुड़ा गंभीर विषय बताया। डॉ. सोलंकी ने सदन में कहा कि संविधान धार्मिक स्वतंत्रता देता है, लेकिन छल, बल और प्रलोभन के जरिए किया गया धर्मांतरण अक्षम्य अपराध है। उनके मुताबिक आदिवासी क्षेत्रों में सुनियोजित तरीके से मूल पहचान मिटाने की कोशिश हो रही है, जो सांस्कृतिक संकट के साथ राष्ट्रीय चिंता का विषय भी है।

एक देश एक कानून बनाने की मांग

कानूनी व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि अलग-अलग राज्यों के कानून पर्याप्त नहीं हैं, इसलिए पूरे देश में एक समान और सख्त केंद्रीय कानून बनाया जाना चाहिए। साथ ही संविधान के अनुच्छेद 342 में संशोधन की जरूरत बताई। सुप्रीम कोर्ट के 24 मार्च 2026 के फैसले का हवाला देते हुए सोलंकी ने कहा कि जैसे एससी वर्ग के लिए एसटी व्यवस्था की गई है, वैसी ही व्यवस्था एससी वर्ग के लिए भी लागू होनी चाहिए। उन्होंने सरकार से जनजातीय समाज की संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

डीलिस्ट कर आरक्षण से वंचित किया जाए

डॉ. सोलंकी ने सुझाव दिया कि जो लोग लालच या दबाव में धर्म बदल चुके हैं, उन्हें डी-लिस्ट कर आरक्षण से वंचित किया जाए, ताकि वास्तविक पात्र आदिवासियों के अधिकार सुरक्षित रह सकें। सोलंकी ने यह भी कहा कि बेहतर इलाज, मुफ्त शिक्षा और नौकरी का लालच देकर धर्मांतरण कराया जा रहा है, जिससे गांवों में सामाजिक तनाव बढ़ रहा है।

शिक्षक पात्रता परीक्षा पर पुनर्विचार किया जाए

एमपी में सरकारी शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा पास करने को लेकर दिए गए निर्णय पर शिक्षक संगठनों में नाराजगी है। अब इस मामले को रतलाम से बीजेपी सांसद अनीता नागर सिंह चौहान ने लोकसभा में उठाया है। शुक्रवार को रतलाम सांसद ने मामला उठाते हुए कहा- शिक्षा के अधिकार (आरटीई) के तहत 20-25 सालों से काम कर रहे शिक्षकों से दोबारा योग्यता परीक्षा देने की बात सामने आई है।

देश में तेल के दाम नहीं बढ़ेंगे

केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 10-10 रुपए घटाई

नई दिल्ली। सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10-10 रुपए की कटौती कर दी है। पेट्रोल पर ड्यूटी रू13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर रू3 रुपए, जबकि डीजल पर रू10 से शून्य कर दी गई है। एक्साइज ड्यूटी घटाकर पेट्रोल-डीजल के दामों को स्थिर रखा गया है। यूएस-इजराइल के साथ ईरान की जंग के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 70 डॉलर से बढ़कर 110 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। इससे तेल कंपनियों को 30 रुपए प्रति लीटर तक घाटा हो रहा था। घाटा कवर करने के लिए तेल कंपनियां दाम बढ़ा सकती थीं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, सरकार ने पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी में रू10 की कमी की है, जिससे अब यह घटकर रू3 प्रति लीटर रह गई है। वहीं, डीजल पर भी रू10 की कटौती की गई है, जिससे अब डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी जीरो हो गई है।

कच्चा तेल महंगा होने से कंपनियों को रू30 प्रति लीटर तक घाटा हो रहा था

इसकी संभावना कम है। भले ही सरकार ने टैक्स कम किया है, लेकिन पेट्रोल-डीजल के रिटेल रेट सीधे सरकार तय नहीं करती। इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी तेल कंपनियां कच्चे तेल की कीमत और अपने मुनाफे के आधार पर रेट तय करती हैं। कंपनियां इस छूट का इस्तेमाल अपने पिछले घाटे की भरपाई के लिए करेंगी। पेट्रोलिमय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के मुताबिक तेल कंपनियां फिलहाल पेट्रोल पर 24 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 30 रुपए का घाटा सह रही हैं। वेस्ट एशिया में चल रहे तनाव के कारण ये कंपनियां महंगा क्रूड खरीद रही हैं, लेकिन उन्होंने दाम नहीं बढ़ाए है। कंपनियां अब इस टैक्स कटौती का इस्तेमाल मार्जिन को स्थिर रखने में करेंगी। तेल कंपनियों के मुनाफे का गणित काफी पेचीदा होता है क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों, डॉलर की विनिमय दर और सरकार के टैक्स ढांचे पर निर्भर करता है।

शासकीय आदर्श आवासीय कन्या संस्कृत विद्यालय ‘गार्गी’, भोपाल में वार्षिक समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न

भोपाल। शासकीय आदर्श आवासीय कन्या संस्कृत विद्यालय ‘गार्गी’ में आयोजित वार्षिक समारोह अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य मानव अधिकार आयोग के कार्यकारी अध्यक्ष अवधेश प्रताप सिंह की विशिष्ट उपस्थिति रही, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ. नवीन आनंद जोशी ने की।

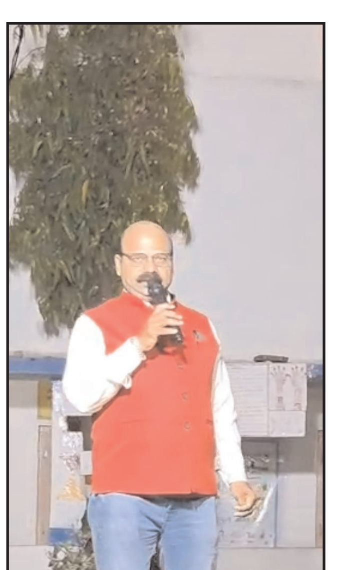

इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में बीएसएफ 41 बटालियन के कमांडेंट मनीष यादव उपस्थित रहे। विद्यालय की प्राचार्य स्नेहा सालोडकर ने अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। समारोह में मध्य प्रदेश प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष महेंद्र शर्मा, संयुक्त सचिव अजय प्रताप सिंह सहित संस्कृत भाषा के अनेक विद्वान सदस्य भी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि अवधेश प्रताप सिंह ने अपने उद्बोधन में विद्यालय द्वारा भारतीय संस्कृति के पुनर्स्थापन हेतु किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ‘यह संस्थान बालिकाओं को केवल शिक्षा ही नहीं, अपितु संस्कार भी प्रदान कर रहा है, जिससे आने वाली पीढ़ी सशक्त एवं संस्कारित बन रही है।‘

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. नवीन आनंद जोशी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में प्रकृति और संस्कृति दोनों पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ‘यदि हम जागरूक होकर प्रकृति और संस्कृति का संरक्षण कर सकें, तो समाज और राष्ट्र दोनों सुरक्षित रहेंगे।‘

इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने योगाभ्यास की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं, संस्कृत काव्य-पाठ के माध्यम से अपनी विद्वता का परिचय दिया तथा वेदों के श्लोकों का शुद्ध एवं प्रभावी उच्चारण कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही, छात्राओं द्वारा ‘वेस्ट से बेस्ट’ थीम पर तैयार उपयोगी वस्तुओं की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसकी अतिथियों ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

विशेष उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में ‘गार्गी’ एकमात्र ऐसा आवासीय संस्कृत विद्यालय है, जहां की छात्राएं संस्कृत भाषा में दक्षता प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम गौरवान्वित कर रही हैं। यहां श्रीमद्भागवत गीता, रामचरितमानस, वेद एवं उपनिषदों का गहन अध्ययन-अध्यापन कराया जाता है। पूर्णतः आवासीय व्यवस्था में रहकर छात्राएं अपने सर्वांगीण विकास के साथ-साथ भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य कर रही हैं।

कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. अनुपम शुक्ला द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्कृत शिक्षिका सीता यादव सहित विभिन्न विषयों के प्राध्यापक एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

समारोह ने न केवल सांस्कृतिक चेतना को जागृत किया, बल्कि भारतीय परंपरा एवं संस्कारों के प्रति नई पीढ़ी में गर्व और समर्पण की भावना भी बढ़ाई ।

इलाहाबाद हाईकोर्ट बोला-

शादीशुदा पुरुष का लिव-इन में रहना अपराध नहीं

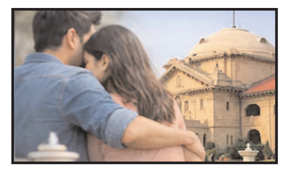

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि शादीशुदा पुरुष का किसी बालिग महिला के साथ सहमति से लिव-इन में रहना अपराध नहीं है। जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस तरुण सक्सेना की बेंच ने कहा कि नैतिकता और कानून दोनों अलग-अलग हैं। फैसले नैतिकता से नहीं, कानून से होते हैं। कोर्ट शाहजहांपुर के एक केस से जुड़ी सुनवाई कर रहा था। जिसमें लिव-इन में रह रहे एक कपल ने परिवार से मिल रही धमकियों के खिलाफ सुरक्षा मांगी थी। कोर्ट ने अंतरिम राहत देते हुए कपल की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। साथ ही महिला के परिवार को कपल से संपर्क करने या उन्हें किसी तरह का नुकसान पहुंचाने से भी मना किया है। महिला ने पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में कहा कि वह बालिग है और अपनी मर्जी से पुरुष के साथ रह रही है। कपल ने यह भी बताया कि परिवार उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहा है, जिससे ऑनर किलिंग का खतरा है। कोर्ट ने पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि दो बालिगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उसकी जिम्मेदारी है।

ईरान ने हमें 10 तेल टैंकर गिफ्ट किए

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया था कि ईरान ने 10 तेल टैंकरों को गुजरने दिया, यह उनकी तरफ से गिफ्ट है। इन टैंकरों पर पाकिस्तान का झंडा था और ईरान इससे भरोसा जीतना चाहता था। उन्होंने कहा कि ईरान ने भरोसा दिखाने के लिए 8 बड़े तेल टैंकरों को गुजरने दिया और बाद में 2 और भेजे। वहीं, ट्रम्प ने कहा कि ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले 10 दिन के लिए टाल दिए हैं। नई डेडलाइन अब 6 अप्रैल तय की गई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर फिलहाल कार्रवाई नहीं करेगा और 10 दिन की मोहलत दी गई है। उन्होंने बताया कि यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि दोनों देशों के बीच चल रही बातचीत को आगे बढ़ने का मौका मिल सके। इससे पहले भी ट्रम्प ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले की योजना को टाल चुके हैं, जिसे अब फिर से आगे बढ़ाया गया है। इसी बीच खबरें हैं कि अमेरिका, ईरान के खार्ग द्वीप पर जमीनी हमला (ग्राउंड इनवेजन) कर सकता है। इसके जवाब में ईरान ने बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट को बंद करने की चेतावनी दी है।

रुपया 94.7 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर

नई दिल्ली। भारतीय रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.7 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध और एनर्जी सप्लाई चैन में आई रुकावटों के कारण भारतीय रुपए में यह गिरावट दर्ज की गई। पिछले एक महीने में ही रुपया करीब 4प्रतिशत टूट चुका है, जबकि इस फाइनेंशियल ईयर 2025-26 में इसमें 10त्न से ज्यादा की गिरावट आई है। यह पिछले 14 सालों की सबसे बड़ी गिरावट है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर ईरान जंग जारी रही तो रुपया जल्द ही 98 के स्तर तक जा सकता है। भारत का वित्त वर्ष अप्रैल से मार्च तक चलता है। मौजूदा आंकड़ों के मुताबिक, 14 साल में यह पहली बार है, जब रुपया एक ही साल में इतना ज्यादा गिरा है। इससे पहले साल 2011-12 में यूरोजोन संकट के दौरान रुपए में करीब 14त्न की गिरावट आई थी। वहीं, 31 मार्च 2025 से अब तक रुपया अपनी वैल्यू से 10त्न तक गिर चुका है। मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष को पिछले कई दशकों का सबसे गंभीर एनर्जी संकट माना जा रहा है। इसका सीधा असर भारत पर पड़ रहा है।

जब जहां मिला मौका...सरकारी धन पर लगाया चौका

जैसे ही खुली पोल तो बचने और बचाने अधिकारियों की करने लगे खुशामद

मण्डला (नि.प्र.)

जिला मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान एक गंभीर मामला सामने आया जिसमें नैनपुर जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली चिरईडोंगरी ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने पंचायत में कथित वित्तीय अनियमित ताओं को लेकर कलेक्टर के नाम आवेदन प्रस्तुत किया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पंचायत स्तर पर सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है और कई योजनाओं में पारदर्शिता का अभाव है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही मांग की है। बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हुए और उन्होंने सामूहिक रूप से आवेदन सौंपा। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने पहले भी कई बार संबंधित अधिकारियों को शिकायत की लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जनसुनवाई को उन्होंने अपनी अंतिम उम्मीद बताते हुए प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत में हो रही वित्तीय गतिविधियों को लेकर उन्हें संदेह हुआ जिसके बाद उन्होंने 2 सितंबर 2025 को सूचना का अधिकार के तहत विस्तृत जानकारी मांगी। आवेदन में विभिन्न योजनाओं, टैक्स वसूली और खर्च का विवरण मांगा गया था। लेकिन निर्धारित समय सीमा बीत जाने के बाद भी उन्हें कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। इसके बाद उन्होंने जनपद पंचायत स्तर पर प्रथम अपील भी दायर की परंतु वहां से भी अब तक कोई जवाब नहीं मिला। इस लापरवाही को ग्रामीणों ने प्रशासनिक उदासीनता का उदाहरण बताया है। आवेदन में ग्रामीणों ने प्रमुख रूप से नल-जल योजना से संबंधित वित्तीय अनियमितताओं का मुद्दा उठाया है। उनका कहना है कि 1 जनवरी 2023 से नवंबर 2025 तक पंचायत द्वारा नल-जल टैक्स के रूप में जो राशि ग्रामीणों से वसूली गई उसे शासकीय खाते में जमा नहीं किया गया। ग्रामीणों के अनुसार यह राशि लाखों रुपये में हो सकती है लेकिन उसका कोई लेखा-जोखा सार्वजनिक नहीं किया गया। इससे यह आशंका जताई जा रही है कि इस राशि का दुरुपयोग किया गया है। ग्रामीणों

ने मार्च 2023 से नवंबर 2025 तक बाजार हाट ठेके के माध्यम से हुई वसूली की भी जांच की मांग की है। उनका आरोप है कि ठेके के नाम पर वसूली तो की गई लेकिन उसका सही हिसाब पंचायत के रिकॉर्ड में नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जाए तो बड़े स्तर पर वित्तीय गड़बड़ी सामने आ सकती है।ग्रामीणों ने पंचायत द्वारा कराए गए विभिन्न निर्माण कार्यों और उनके भुगतान पर भी सवाल उठाए हैं। इनमें शामिल हैं सोकता गड्ढा निर्माण टेंट और अन्य सामग्री के नाम पर किए गए भुगतान मछली मार्केट में चबूतरा निर्माण और समतलीकरण कार्य एलईडी स्ट्रीट लाइट का रख-रखाव मोटर पंप संधार नल पाइप लाइन मरम्मत ग्रामीणों का आरोप है कि इन कार्यों में या तो कार्य अधूरे हैं या फिर कागजों में ही पूर्ण दिखाकर भुगतान निकाल लिया गया है। एक अन्य गंभीर आरोप मछली मार्केट से जुड़ा हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि वहां दुकानदारों से प्रति दुकान 500 रुपये नगद वसूले गए लेकिन यह राशि शासकीय खाते में जमा नहीं की गई। उन्होंने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया बिना रसीद के की गई जिससे पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं। यदि इस मामले की जांच की जाए तो बड़ी अनियमितता सामने आ सकती है। ग्रामीणों ने अपने आवेदन में स्पष्ट किया कि पंचायत स्तर पर पारदर्शिता का अभाव है। न तो समय पर जानकारी दी जाती है और न ही ग्राम सभा में सही तरीके से लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जाता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि सभी वित्तीय लेन-देन की जांच कराई जाए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका तय की जाए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए भविष्य में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ठोस व्यवस्था बनाई जाए ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इस मामले में कार्रवाई नहीं की गई तो पंचायत स्तर पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कलेक्टर से अपील की है कि मामले की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी या उच्च स्तरीय समिति से कराई जाए ताकि निष्पक्षता बनी रहें ग्रामीणों ने यह भी बताया कि इन अनियमितताओं का सीधा असर गांव के विकास पर पड़ रहा है। जिन योजनाओं के लिए पैसा आवंटित किया गया उनका लाभ ग्रामीणों तक नहीं पहुंच पा रहा है। नल-जल योजना सड़क रोशनी और अन्य बुनियादी सुविधाओं में कमी के कारण ग्रामीणों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इससे ग्रामीणों में आक्रोश और असंतोष बढ़ता जा रहा है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है। यदि जांच शुरू होती है, तो यह मामला जिले में पंचायत स्तर की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा कर सकता है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उन्हें न्याय नहीं मिला तो वे आगे आंदोलन करने के लिए भी बाध्य होंगे। ग्राम पंचायत चिरईडोंगरी का यह मामला केवल एक पंचायत तक सीमित नहीं है बल्कि यह ग्रामीण प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही की व्यापक समस्या को उजागर करता है।

अवैध रेत परिवहन पर कार्यवाही

मण्डला (नि.प्र.)

जिले में खनिज विभाग द्वारा अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर के निर्देशानुसार 24 मार्च को ग्राम पिंडरई तहसील नैनपुर एवं ग्राम हिरदेनगर तहसील मण्डला क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान अवैध रेत परिवहन करते हुए 3 वाहनों को पकड़ा गया जिनमें 2 ट्रैक्टर और 1 डम्फर शामिल हैं। जब्त वाहनों को संबंधित चौकी पिंडरई एवं हिरदेनगर की सुपुर्दगी में रखा गया है। आरोपियों के विरुद्ध मप्र खनिज अवैध खनन परिवहन एवं भंडारण का निवारण नियम 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में प्रस्तुत करने की कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई खनिज निरीक्षक एवं खनिज अमले द्वारा की गई।

शी-बॉक्स पोर्टल पर कार्यक्रम

मण्डला (नि.प्र.)

विकासखंड बीजाडांडी के ग्राम जमठार में मिशन शक्ति योजना अंतर्गत एकता महिला आजीविका संकुल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती शालिनी तिवारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महिलाओं को शी-बॉक्स पोर्टल कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013, वन स्टॉप सेंटर सेवाएं, बैंकिंग, बीमा एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही हेल्पलाइन नंबर एवं निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं के बारे में भी अवगत कराया गया।

भागीदारी के लिए निर्देश जारी

मण्डला (नि.प्र.)

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं में जिले के अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। जारी पत्र में बताया गया है कि मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित की गई है। विभाग ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पात्र अभ्यर्थियों को समय-सीमा में आवेदन कराने के लिए आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाए।

आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण

मण्डला (नि.प्र.)

जनपद पंचायत बिछिया के ग्राम कन्हारीकला स्थित नवनिर्मित पीएम जनमन आंगनवाड़ी केंद्र का कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केंद्र की साफ-सफाई बच्चों के बैठने की व्यवस्था तथा उपलब्ध संसाधनों का अवलोकन करते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए ।

अधिकारी कर्मचारी मिले अनुपस्थित

मण्डला (नि.प्र.)

अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह द्वारा 26 मार्च को प्रातः 10:10 बजे तहसील कार्यालय एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कुल 21 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए जिनके विरुद्ध कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है जारी आदेश के अनुसार तहसील कार्यालय में 14 कर्मचारी अनुपस्थित मिले जबकि अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय में 7 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए सभी संबंधित कर्मचारियों से अनुपस्थिति के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया है अपर कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि संबंधित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस तामील कराते हुए उनकी प्राप्ति अभिस्वीकृति शीघ्र भेजना सुनिश्चित किया जाए।

पुलिस ने चार गांजा तस्कर को किया गिरफ्तार

मण्डला (नि.प्र.)

जिले के बिछिया थाना क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। बिछिया पुलिस ने कार्यवाही करते हुए चार गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 7.211 किलोग्राम गांजा एवं एक कार जब्त की है पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा के मार्गदर्शन में 25 मार्च को यह कार्यवाही की गई। जानकारी के अनुसार थाना बिछिया के उप निरीक्षक प्रवीण मालवीय को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की कार यूपी 75 एएस 7996 में कुछ लोग गांजा लेकर घुटास से बिछिया की ओर आ रहे हैं। सूचना मिलते ही एसडीओपी सौरभ तिवारी को अवगत कराया गया जिसके बाद थाना प्रभारी रंजीत सिंह सैयाम के नेतृत्व में दो पुलिस टीमों का गठन कर कोको रोड स्थित पडरिया तिराहा और एनएच 30 पर चेकिंग शुरू की गई। इसी दौरान ग्राम गुडली के पास संदिग्ध वाहन को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन में सवार चारों आरोपियों के पास से 7.211 किलो अवैध गांजा कीमत लगभग 72 हजार रुपये बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। जब्त सामग्री में शामिल 7.211 किलोग्राम गांजा महिंद्रा एक्सक्यूव्ही 300 कार कीमत लगभग 6 लाख रुपये आरोपियों के मोबाइल फोन जब्त किया गिरफ्तार आरोपी उमेश सिंह 30 वर्ष जिला इटावा उप्र अमित उर्फ राजा 18 वर्ष जिला डिंडोरी मप्र कुलदीप 18 वर्ष जिला कानपुर देहात उप्र देवेन्द्र 33 वर्ष जिला कानपुर देहात उप्र है।

आज निकलेगी भव्य शोभायात्रा

मण्डला (नि.प्र.)

नगर के श्रीराम मंदिर बिछिया में रामनवमी मनाने की तैयारी विगत एक सप्ताह से चल रही है 27 मार्च को रामनवमी को लेकर स्थानीय राममंदिर को लाइट ओर डेकोरेशन से सजाया गया है और आज नवमी तिथि को प्रातः काल से ही राम मंदिर में हवन पूजन महाआरती प्रसादी के साथ विशाल शोभायात्रा शुक्रवार शाम 4 बजे नगर में निकाली जाएगी। समिति के पदाधिकारी कार्यकर्ता पूरी तत्परता से कार्य कर रहे है डीजे बैंड बाजे आतिश बाजी रथ आदि की तैयारी में जुटे हुए हैं नवमी तिथि को सुबह से राम के जयघोष के साथ अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे राम मंदिर समिति ने नगर सहित सम्पूर्ण क्षेत्र से सभी से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंच कर कार्यक्रम को सफल बनाए।

जोनल मैनेजर ने किया वर्कशॉप का शुभारंभ

मण्डला (नि.प्र.)

चैत्र नवरात्र की अष्टमी तीज के अवसर पर स्वराज्य ट्रैक्टर के जोनल मैनेजर प्रदीप कुलकर्णी का मंडला आगमन हुआ। इस अवसर पर नगर के बिझिंया स्थित जीडी एण्ड संस स्वराज्य ट्रैक्टर एजेंसी में उनका स्वागत किया गया। जैसे ही जोनल मैनेजर प्रदीप कुलकर्णी एजेंसी परिसर पहुंचे वहां उपस्थित कर्मचारियों एवं किसानों ने फूल वर्षा कर उनका अभिवादन किया एजेंसी संचालक ब्रजेश जसवानी ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया कार्यक्रम के दौरान प्रदीप कुलकर्णी ने एजेंसी का निरीक्षण करते हुए संचालक ब्रजेश जसवानी के साथ बैठक कर स्वराज्य ट्रैक्टर के संचालन बिक्री एवं सेवाओं से जुड़ी विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने एजेंसी की व्यवस्थाओं व सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की सुव्यवस्थित एजेंसी किसानों के विश्वास को मजबूत करती है। जोनल मैनेजर ने स्वराज्य ट्रैक्टर की सेल्स पर विशेष ध्यान देने कहते हुए वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और भविष्य की रणनीतियों पर भी चर्चा की उन्होंने इस दौरान वर्कशॉप का भी शुभारंभ किया और कहा कि जिले में स्वराज्य ट्रैक्टर की मजबूत पहचान यहां के किसानों के विश्वास और संतुष्टि का परिणाम है। प्रदीप कुलकर्णी ने उपस्थित किसानों से सीधा संवाद भी किया उन्होंने किसानों की समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना और समाधान का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम के दौरान एरिया मैनेजर महेश अहीरे, टेरिटरी क्षेत्रीय प्रबंधक बिहारी लाल यादव एवं कस्टमर केयर मैनेजर अविनाश यादव सहित एजेंसी के अन्य कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

उदय चौक में फहराया गया भगवा ध्वज

मण्डला (नि.प्र.) विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के जिला मंत्री ललित हिडाऊ के नेतृत्व में उदय चौक कमानिया गेट में भगवा ध्वज फहराया गया इस अवसर पर बड़ी संख्या में संगठन के कार्यकर्ता एवं सनातन धर्म के प्रति समर्पित श्रृद्धालु उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं ने भगवा ध्वज के समक्ष भारत माता के जयकारों एवं जय श्रीराम के उद्घोष से गुंजायमान रहा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में सनातन संस्कृति एकता और जागरूकता का संदेश फैलाना रहा। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के पदाधिकारियों सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। जिला मंत्री ललित हिडाऊ ने कहा यह भगवा ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं बल्कि हमारी सनातन संस्कृति त्याग बलिदान और धर्म की रक्षा का प्रतीक है यह हमें हमारी महान परंपराओं और गौरवशाली इतिहास की याद दिलाता है आज हम सभी को एकजुट होकर हिंदू समाज की रक्षा संगठन और संस्कारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लेना होगा जब तक हम संगठित रहेंगे तब तक हमारी संस्कृति और धर्म को कोई भी शक्ति कमजोर नहीं कर सकती।

दो दिवसीय मां उत्तरवाहिनी परिक्रमा 28 से, तैयारियां पूर्ण

मण्डला (नि.प्र.)

महिष्मति श्री व्यास दंड मां नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा आयोजन समिति के तत्वाधान में 28-29 मार्च शनिवार-रविवार को दो दिवसीय सामूहिक मां नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र सहित अन्य जिलों एवं राज्यों से श्रृद्धालुओं के बड़ी संख्या में शामिल होने की संभावना है। जानकारी के अनुसार पतित पावनी मां नर्मदा एवं श्री व्यास नारायण महादेव मंदिर की कृपा से श्रृद्धालुओं को इस पावन परिक्रमा का अवसर प्राप्त हो रहा है। मान्यता है कि चैत्र मास में किसी भी उत्तरवाहिनी प्रवाह में पांच कोस से अधिक की यात्रा करने पर पूर्ण परिक्रमा का पुण्यफल प्राप्त होता है। पहले दिन प्रातः 6 बजे किला घाट स्थित श्री व्यास नारायण महादेव मंदिर में श्रृद्धालुओं का एकत्री करण होगा। इसके बाद पूजन एवं मां नर्मदा की आरती कर तट परिवर्तन किया जाएगा। यात्रा त्रिवेणी संगम महाराजपुर श्री चित्रगुप्त मंदिर एवं ज्वाला जी मंदिर होते हुए आगे बढ़ेगी मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रृद्धालुओं के लिए स्वल्पाहार एवं भोजन की व्यवस्था की गई है। सिलपुरा में दोपहर विश्राम के पश्चात यात्रा घाघा पहुंचेगी जहां संध्या आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं रात्रि विश्राम की व्यवस्था रहेगी दूसरे दिन प्रातः 5:30 बजे घाघा से यात्रा पुनः प्रारंभ होगी बबैहा घाट में तट परिवर्तन कर श्रृद्धालुओं को प्रसादी वितरित की जाएगी। इसके बाद कटरा स्थित राजपूत मैरिज गार्डन में भोजन एवं विश्राम होगा दोपहर पश्चात यात्रा बिंझिया, बड़ चौराहा, उदय चौक, सराफा एवं बुधवारी चौक से होते हुए पुनः श्री व्यास नारायण महादेव मंदिर पहुंचेगी जहां संकल्प पूर्ति एवं सामूहिक महा आरती का आयोजन किया जाएगा आयोजन के समापन पर बाहर से आए श्रृद्धालुओं को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए जाएंगे समिति ने सभी श्रृद्धालुओं से सपरिवार उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

कार्यकर्ताओं को सौंपी संगठन की जिम्मेदारी

मण्डला (नि.प्र.) आम आदमी पार्टी लगातार अपने संगठन को विस्तार करने में लगी है। जहां राष्ट्रीय नेताओं और प्रदेश संगठन ने जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी पंकज सोनी को दी। पंकज सोनी लगातार जिले में अस्पताल में डॉक्टर्स एवं ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार की लड़ाई लड़ रहे हैं। वहीं दूसरी ओर प्रदेश संगठन में प्रदेश सह सचिव के रूप में जिले के आदिवासी नेता अशोक शाह धुर्वे को जिम्मेदारी मिली। साथ ही जिला संगठन मंत्री जैसा महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी शिशु सिंधु भलावी को देकर पार्टी ने आदिवासी जिले में अपनी पकड़ बनाने का प्रयास आरंभ कर दिया हैं। बता दें कि अशोक शाह धुर्वे पूर्व में जनपद सदस्य रह चुके हैं। साथ ही पार्टी में लोकसभा सहसचिव जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उठा चुके हैं। साथ ही संगठन मंत्री शिशु सिंधु भलावी वर्तमान में बड़ी खैरी पंचायत से पंच है एवं गोंड समाज महासभा के युवा जिला अध्यक्ष हैं। साथ ही जिला उपाध्यक्ष मुकेश कछवाहा, आनंद प्रकाश तिवारी, नरेंद्र परस्ते, यशवंत जायसवाल, अरविंद परते, धीरज पनरिया जिला सह सचिव दुर्गेश उइके, राकेश वरकड़े, विनय राणे, प्रकाश धनंजय, चंद्रसिंह मरावी, पुष्प राज मरावी, लीगल विंग जिला अध्यक्ष मुकेश तुमराली, लीगल विंग संगठन मंत्री जागेश यादव, यूथ विंग जिला अध्यक्ष आदित्य पटेल, यूथ विंग जिला संगठन मंत्री तरुण बघेल, ओबीसी विंग जिला अध्यक्ष हितेंद्र सिंह, ओबीसी विंग जिला संगठन मंत्री संजय रजक, एस सी विंग जिलाध्यक्ष अरविंद गढ़वाल, एससी विंग संगठन मंत्री नितिन झरिया, बौद्धिक प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष अशोक पांडे, एजुकेशन विंग जिला अध्यक्ष महेंद्र सोनी, एजुकेशन विंग संगठन मंत्री संत कुमार यादव बनाए गए।

मंडी में कृषि विभाग द्वारा कृषक संवाद का आयोजन

विदिशा (नि.प्र.) कृषि मंडी नैनपुर में कृषकों की समस्याओं को लेकर कृषि संवाद का आयोजन किया गया। इस संवाद कार्यक्रम में नैनपुर ब्लॉक की सभी पंचायतों से किसान एकत्रित हुए। जहां कृषकों ने शासन प्रशाशन के द्वारा वर्तमान में फसल कटाई हेतु नियमावली बनाई गई है उसमें आने वाली समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया। कृषकों के द्वारा बताया गया की हार्वेस्टर में जो एस एम एस लगाने की बात की गई वो किसान हित में नही है। जिससे किसानों के घर मे पाली गई मवेशियों के लिए भूसा प्राप्त नही हो पाएगा ।कृषकों द्वारा सुझाव दिया गया और बात रखी गई की किसानों को कटाई के बाद स्ट्रा रीपर चलाने की अनुमति दी जाए। जिससे मवेशियों को खाने के लिए भूसा प्राप्त हो सके । जिस पर अधिकारियों ने सहमति जताई। इसी प्रकार एस डी एम नैनपुर आशुतोष ठाकुर के द्वारा कहा गया की खेतों में अज्ञात कारण से आग लगती है । स्पार्किंग या अन्य किसी कारण से और जांच के दौरान घटना सही पाई जाती है तो किसान के ऊपर कार्यवाही नही की जाएगी। इसी कड़ी मे किसानों की मांग थी की खेतों मे हार्वेस्टर से कटाई के दौरान डीजल खत्म हो जाता है। हार्वेस्टर और ट्रैक्टरों में तो उन्हें केन मे पेट्रोल पम्प से डीजल दिए जाने हेतु पेट्रोल पम्प संचालकों को निर्देश दिए जाये।

ज्ञान ज्योति हायर सेकेण्डरी स्कूल का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

मण्डला (नि.प्र.)

नैनपुर विकास समिति द्वारा संचालित ज्ञान ज्योति हायर सेकेण्डरी स्कूल नैनपुर का वार्षिक परीक्षा परिणाम 26 मार्च को समिति उपसचिव एवं कार्यक्रम मुख्य अतिथि डॉ. राजेन्द्र पाठक एवं समिति अध्यक्ष बेनीश्याम खण्डेलवाल की अध्यक्षता में, सचिव जीवन लाल साहू, सदस्य जिनेन्द्र साहू एवं संस्था प्राचार्य प्रवीण नायडू की उपस्थिति में घोषित किया गया। शाला के अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम में कक्षावार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्ले नर्सरी, पूर्व प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक, हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्तर में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थीयों के अभिभावकों को शील्ड और प्रमाण पत्र से सम्मानित एवं पुरूस्कृत किया गया। शाला में प्रत्येक स्तर पर सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले नर्सरी से छात्र शुभ कुशवाहा पिता बंशीधर कुशवाहा ने 99.84त्न अंक, पूर्व प्राथमिक स्तर के.जी.2 से छात्रा इनाया खान पिता इमरान खान ने 99.75त्न अंक, प्राथमिक स्तर से कक्षा पहली से छात्रा श्रेयांशी नावानी पिता डॉ. रितेश नावानी ने 98.9त्न अंक और कक्षा तीसरी से ओम गिरि गोस्वामी पिता नरेन्द्र गिरि गोस्वामी ने 97.96त्न अंक, माध्यमिक स्तर से कक्षा सातवीं से छात्रा भावना राजपूत पिता सौरम सिंह राजपूत ने 93.2त्न अंक, हाईस्कूल स्तर से कक्षा नवमीं से छात्रा अंशिका नामदेव पिता अनिल कुमार नामदेव ने 94.66त्न अंक, एवं हायर सेकेण्डरी स्तर से कक्षा ग्यारहवीं वाणिज्य संकाय से छात्रा लीना नगपुरे पिता दिनेश कुमार नगपुरे ने 88.6त्न अंक प्राप्त कर शाला को गौरवान्वित किया। संस्था के अध्यक्ष बेनीश्याम खण्डेलवाल ने शाला की कक्षा पांचवीं एवं आटवीं के प्राप्त परीक्षा परिणामों में शत प्रतिशत परिणाम एवं सभी के प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने के लिये शुभकामनाएँ प्रेषित की एवं नया सत्र जो आगामी 1 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हो रहा है, इसमें प्रथम दिवस से ही अपनी उपस्थिति एवं पढ़ाई में अनुशासन रखने पर जोर दिया। सत्र 2025-26 में कुल 24 छात्र-छात्राओं ने शाला में अपनी शत् प्रतिशत उपस्थिति दी। गणित के वरिष्ठ अध्यापक एवं प्रभारी शिक्षक एस.एन. अय्यर द्वारा पूर्व प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च एवं उच्चतर स्तर के गणित विषय में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले कुल 14 बच्चों को एवं उनके शिक्षकों को पुरुस्कृत किया गया। समारोह के अंत में समिति के सभी सदस्य गण एवं शाला प्राचार्य प्रवीण नायडू. उच्च-उच्चतर विभाग प्रभारी एस. एन. अय्यर माध्यमिक विभाग प्रभारी एम.एम.जायसवाल, प्राथमिक प्रभारी श्रीमति अनिता यादव एवं पूर्व प्राथमिक प्रभारी श्रीमति रेखा रजक ने सभी शिक्षकों को और समस्त छात्र-छात्राओं को बधाई प्रेषित की तथा निरंतर प्रयासरत् रहने की प्रेरणा दी।

नगर में सम्राट अशोक महान की मनाई गई जयंती

मण्डला (नि.प्र.) मुख्य मार्ग विश्राम भवन के सामने बाबासाहेब की प्रतिमा के समक्ष चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी पर सम्राट अशोक महाराज को श्रद्धा सुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित किया गया। इस दौरान सम्राट अशोक अमर हैं जय सम्राट अशोक के गगनभेदी नारे लगाए गये। सभी उपस्थित लोगों ने उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया ।

अफवाहों पर भारी ग्वालियर की समझदारी पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सामान्य

नगर संवाददाता, मुरैना

अमरीका-ईरान युद्ध के बीच जहां देशभर में अफवाहों का बाजार गर्म है, वहीं ग्वालियरवासियों ने समझदारी और संयम का परिचय देते हुए इन अफवाहों को पूरी तरह नकार दिया। शहर में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक बना हुआ है और आम दिनों की तरह ही पंपों पर बिक्री जारी रही। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के कुछ शहरों में गत दिवस पेट्रोल-डीजल की किल्लत की अफवाह फैलते ही लोगों में हड़कंप मच गया और पंपों पर लंबी कतारें लग गईं। लेकिन ग्वालियर में ऐसी स्थिति देखने को नहीं मिली। यहां नागरिकों ने धैर्य बनाए रखते हुए अपनी समझदारी का परिचय दिया और सामान्य रूप से ही अपने वाहनों में ईंधन भरवाया।

जानकारी के अनुसार, हाल ही में तेल कंपनियों ने भुगतान व्यवस्था में बदलाव करते हुए एडवांस भुगतान अनिवार्य कर दिया है। पहले पेट्रोल-डीजल की खरीदी का भुगतान एक सप्ताह के भीतर किया जाता था, लेकिन अब अग्रिम राशि जमा करना जरूरी कर दिया गया है। जिन पंप संचालकों ने एडवांस भुगतान नहीं किया, उनकी सप्लाई अस्थायी रूप से प्रभावित हुई, जिससे कुछ स्थानों पर किल्लत की स्थिति बनी और अफवाहों को हवा मिली। अन्य शहरों में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कुछ पंप संचालकों ने दो पहिया वाहनों को 200 रुपए और चार पहिया वाहनों को 1 हजार रुपए तक का ही ईंधन देना शुरू कर दिया। हालांकि ग्वालियर में ऐसी नौबत नहीं आई और व्यवस्था पूरी तरह सुचारू बनी रही। गुरुवार के दिन भी यहां सामान्य रूप से पेट्रोल और डीजल की खरीदारी की गई।

ग्वालियर डिपो में पेट्रोल और डीजल की स्थिति

रायरू डिपो	पेट्रोल	डीजल
आईओसीएल	2500	9900
बीपीसीएल	1946	5053
एचपीसीएल	1900	3600

(नोट : स्टॉक केएल में)

20 प्रतिशत बढ़ी खपत

शहर में प्रतिदिन लगभग 8.5 लाख वाहनों का संचालन होता है, जिनमें रोजाना करीब 5 लाख लीटर पेट्रोल और 6 लाख लीटर डीजल की खपत होती है। युद्ध की आशंका के चलते लोगों ने एहतियातन अधिक ईंधन भरवाना शुरू कर दिया है, जिससे खपत में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। शहर में 230 पेट्रोल पंपों के माध्यम से ईंधन की आपूर्ति की जा रही है।

गैस सिलेंडर की बढ़ी वेटिंग, 53 हजार से ज्यादा बुकिंग लंबित

जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की सप्लाई भले ही फिलहाल पूरी तरह बाधित नहीं है, लेकिन मांग के मुकाबले आपूर्ति कम होने से उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ती जा रही है। हालात यह हैं कि जिले में गैस सिलेंडरों की वेटिंग लगातार बढ़ रही है और वर्तमान में 53 हजार 693 उपभोक्ताओं की बुकिंग लंबित है।

जानकारी के अनुसार ग्वालियर जिले में कुल 49 गैस एजेंसियां संचालित हैं, जिनके माध्यम से घरेलू और कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई की जाती है। मौजूदा स्थिति में घरेलू गैस सिलेंडरों का कुल स्टॉक करीब 13 हजार 401 बताया जा रहा है, जबकि कॉमर्शियल सिलेंडरों का स्टॉक 921 है। इसके बावजूद एजेंसियों पर लंबित बुकिंग का आंकड़ा काफी ज्यादा है।

मांग और आपूर्ति के बीच बढ़ता अंतर ही इस समस्या की मुख्य वजह है। लगातार बढ़ती खपत और समय पर पर्याप्त सप्लाई नहीं मिलने से उपभोक्ताओं को सिलेंडर के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। कई उपभोक्ताओं का कहना है कि बुकिंग के बाद भी उन्हें समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। उल्लेखनीय है कि शादी-विवाह और अन्य आयोजनों के सीजन में गैस की मांग और बढ़ जाती है, जिससे स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है।

इनका कहना है

शहर में पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त मात्रा है। घबराने की कोई जरूरत नहीं है। बुधवार को जिन शहरों में अफवाहों का माहौल बना वहां एडवांस राशि जमा नहीं करने का विषय रहा। अब सभी जगह पेट्रोल और डीजल की व्यवस्था सामान्य है। ग्वालियर में जरूर पेट्रोल और डीजल पर 20 प्रतिशत खपत की वृद्धि हुई है।

अमित सेठी, सचिव, ग्वालियर डिस्टिक्ट पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन

समर स्पेशल ट्रेन की सौगात, दुर्ग-हरिद्वार साप्ताहिक ट्रेन चलेगी

नगर संवाददाता, मुरैना

गर्मी के मौसम में ट्रेनों में बढ़ती भीड़ के बीच रेलवे ने यात्रियों को बड़ी राहत दी है। दुर्ग से हरिद्वार के बीच साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है, जिससे ग्वालियर सहित मध्य भारत के हजारों यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। खास बात यह है कि इस ट्रेन का ठहराव ग्वालियर स्टेशन पर भी रहेगा, जिससे स्थानीय यात्रियों को कंफर्म बर्थ के साथ सफर का बेहतर विकल्प मिलेगा। रेलवे के अनुसार गाड़ी संख्या 08743 दुर्ग-हरिद्वार साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन का संचालन 19 अप्रैल से 28 जून 2026 तक किया जाएगा। यह ट्रेन हर रविवार को दुर्ग से सुबह 11 बजे रवाना होगी और कुल 11 फेरे लगाएगी। रास्ते में रायपुर, भाटापारा, उसलापुर, पेंड्रारोड, अनूपपुर, शहडोल और उमरिया सहित कई स्टेशनों पर ठहराव के बाद यह ट्रेन अगले दिन सोमवार सुबह 5:05 बजे ग्वालियर पहुंचेगी।

इसके बाद हजरत निजामुद्दीन होते हुए शाम 5:30 बजे हरिद्वार पहुंचेगी। वहीं वापसी में गाड़ी संख्या 08744 हरिद्वार-दुर्ग साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन 20 अप्रैल से 29 जून तक हर सोमवार को शाम 6:55 बजे हरिद्वार से रवाना होगी। यह ट्रेन अगले दिन सुबह 7:55 बजे ग्वालियर पहुंचेगी और विभिन्न स्टेशनों से गुजरते हुए तीसरे दिन बुधवार सुबह 3 बजे दुर्ग पहुंचेगी।

कई प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव, 18 कोच की सुविधा

ट्रेन का ठहराव रायपुर, कटनी, दमोह, सागर, झांसी, ग्वालियर, आगरा कैंट, मथुरा, निजामुद्दीन, मेरठ और रुड़की सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर रहेगा। यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन में कुल 18 कोच लगाए गए हैं, जिनमें 2 एसएलआरडी, 4 जनरल, 10 स्लीपर और 2 एसी कोच शामिल हैं।

ग्वालियर के यात्रियों को सीधा लाभ

इस स्पेशल ट्रेन के संचालन से ग्वालियर के यात्रियों को हरिद्वार जैसे प्रमुख धार्मिक स्थल तक सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। गर्मी के सीजन में अक्सर ट्रेनों में वेटिंग लंबी हो जाती है, ऐसे में यह ट्रेन यात्रियों के लिए राहत साबित होगी।

शंकरपुर में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, डेढ़ बीघा सरकारी जमीन मुक्त

नगर संवाददाता, मुरैना

जिले में सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में गुरुवार को जिलाधीश रुचिका चौहान के निर्देश पर राजस्व विभाग और नगर निगम की संयुक्त टीम ने शहर से सटे शंकरपुर ग्राम में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब डेढ़ बीघा बेशकीमती जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया। इस जमीन का बाजार मूल्य लगभग 3 करोड़ रुपए बताया गया है। तहसीलदार महेन्द्र यादव ने बताया कि अतिक्रमण मुक्त कराई गई जमीन का एक हिस्सा नगर निगम की पानी की टंकी के लिए आरक्षित था। इसके बावजूद कुछ लोगों ने लगभग 2 हजार वर्गफुट क्षेत्र में अवैध रूप से ईंटों की दीवार खड़ी कर कब्जा कर लिया था। साथ ही वहां सीमेंट व अन्य निर्माण सामग्री की बिक्री भी की जा रही थी। प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर मशीनों की मदद से सभी अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिए और जमीन को मुक्त कराया।

बेहट में कार पर फायरिंग करने वाले तीन बदमाश पकड़े, बंदूक भी जब्त

नगर संवाददाता, मुरैना

बेहट में हॉर्न बजाकर साइड मांगने से खफा तीन बदमाशों ने कार पर फायरिंग कर दी थी, इसमें एक महिला घायल हुई थी। पुलिस ने इस घटना के तीन आरोपियों को 48 घंटे में गिरफ्तार कर बंदूक भी जब्त कर ली है।

उल्लेखनीय है कि मदनगढ़ी थाना गोंडा जिला अलीगढ़ में रहने वाले भीम गौतम ने शिकायत की थी कि वह दूध खोह मंदिर पर चल रही रामकथा में परिवार सहित शामिल होने के लिए आए थे। 24 मार्च को वह परिवार सहित दंदरौआ धाम के दर्शन के लिए गए थे। दर्शन करके वह स्कार्पियो गाड़ी से वापस दूध खोह जा रहे थे, इसी दौरान रास्ते के बीच में खड़ी एक क्रेटा कार को हटवाने के लिए तीन बार हॉर्न बजाया। इस पर कार सवार लोगों ने कार तो हटा ली लेकिन इसके बाद गाड़ी का पीछा करके फायरिंग शुरू कर दी। एक-दो गोली कार के शीशे में लगी, एक गोली दादी की गर्दन में लग गई। इस घटना के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने टीम गठित करके पड़ताल शुरू करवाई, सीसीटीवी कैमरों से आरोपियों की पहचान हुई।

गुरुवार को पुलिस को पता चला कि घटना के आरोपी बेहट मंडी में खड़े हैं, इस सूचना पर पुलिस ने दबिश देकर इन्हें हिरासत में ले लिया। पूछताछ में इन्होंने अपने नाम पानसिंह उर्फ पप्पू सिंह गुर्जर, राधे गुर्जर, राहुल बघेल बताए। पकड़े गए आरोपियों ने घटना स्वीकार की। राहुल के कब्जे से 315 बोर की बंदूक मिली, इसका लाइसेंस भी नहीं था। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त क्रेटा कार भी जब्त की है।

अवैध शराब ले जाते पकड़ा शातिर बदमाश

नगर संवाददाता, मुरैना

पड़ाव थाना पुलिस ने बदमाश को अवैध शराब के साथ पकड़ा है। बदमाश अवैध शराब खपाने के लिए टमटम का उपयोग कर रहा था, जिससे किसी को कोई शक न हो। मुखबिर ने सूचना दी तो लक्ष्मणपुरा पुल के पास से इसे बुधवार रात 11 बजे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के पास से देशी शराब के 28 क्वार्टर मिले हैं। अमित चौरसिया पुत्र कल्लू चौरसिया निवासी नवग्रह कॉलोनी गोल पहाड़िया पुराना बदमाश है और इस पर जनकगंज थाने में केस दर्ज हैं। पड़ाव में आर्म्स एक्ट तथा इंदरगंज थाने में चोरी के मामले में पकड़ा जा चुका है। पड़ाव पुलिस के अनुसार बुधवार रात को मुखबिर ने सूचना दी कि शहरी बदमाश टमटम नम्बर एमपी07एई-8285 में सवारी ले जाने की आड़ में अवैध शराब ले जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने लक्ष्मणपुरा पुल के पास घेराबंदी की। रात 11 बजे एक टमटम आती हुई दिखी तो उसे रोका गया और तलाशी ली तो उसमें देशी शराब के 28 क्वार्टर मिले, जिन्हें जब्त कर लिया गया। पुलिस ने पूछताछ की तो आरोपी ने अपना नाम अमित चौरसिया बताया। इसका पिछला रिकार्ड चेक किया तो इसके ऊपर विभिन्न थानों में तमाम अपराध दर्ज मिले। अवैध शराब के साथ पकड़े गए पंकज को गिरफ्तार कर लिया गया और टमटम को जब्त कर लिया गया है।

परिजन को कमरे में बंद कर चोरी कर भागे चोर, एक को ग्रामीणों ने पकड़ा

नगर संवाददाता, मुरैना

पुरानी छावनी थाना क्षेत्र के गंगा मालनपुर में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात चोरों की गैंग ने एक घर को निशाना बनाया। चोरों ने जिस घर को निशाना बनाया, उसमें रहने वालों को पहले कमरे में बंद किया और बाहर से कुंडी लगा दी। चोर गैंग भागती उससे पहले ही घर के मालिक ने शोर मचा दिया, जिससे गांव में जगाहर हो गई। ग्रामीणों ने एक चोर को पकड़ लिया, जबकि तीन भागने में सफल हो गए। पकड़ में आए चोर को ग्रामीणों ने पुलिस के हवाले कर दिया, पुलिस उससे पूछताछ कर रही है कि उसके तीन साथी कौन थे। सुंदर सिंह निवासी गंगा मालनपुर बुधवार को खाना खाकर सो गए। एक कमरे में वह सो रहे थे, तो दूसरे कमरे में उनकी पत्नी व बेटा सोया हुआ था। रात करीब 1.45 बजे घर में खटर-पटर की आवाज हुई, जिससे सुंदर सिंह की नींद खुल गई। सुंदर ने देखा की उनके घर की बाउंड्रीवॉल पर चार लोग मुंह पर कपड़ा बांधे हुए खड़े हुए हैं। सुंदर ने आवाज लगाई तो चारों बाउंड्री से नीचे कूद गए। चोरों के बाउंड्री से नीचे कूदते ही सुंदर ने शोर मचाना शुरु कर दिया और घर के उस कमरे की तरफ गए जहां उनकी पत्नी व बेटा सोया हुआ था। कमरे की कुंडी बाहर से लगी हुई थी, जिसे खोलकर पत्नी बेटे को बाहर निकाला। सुंदर ने शोर मचाया तो गांव वाले जाग गए और चोरों की गैंग का पीछा किया तो एक पकड़ में आ गया, जबकि तीन भाग गए। पुलिस ने पूछताछ की तो आरोपी ने अपना नाम लखन आदिवासी पुत्र सुघनिया आदिवासी निवासी भैरूपुरा जिला उज्जैन बताया। आरोपी लखन ने बताया कि बाउंड्री से कूदते समय उसका संतुलन बिगड़ गया जिससे वह औंधे मुंह गिरा और शरीर में चोट लग गई। सुंदर यादव के घर से चोरों ने एक स्टील का डिब्बा चोरी किया था, जो लखन आदिवासी के पास नहीं मिला।

ससुरालीजन करते थे दहेज के लिए परेशान, महिला ने लगाई फांसी

जांच के बाद पुरानी छावनी थाने में मामला दर्ज

नगर संवाददाता, मुरैना

शादी के कुछ समय बाद ही विवाहिता से पति व उसके परिजन दहेज की मांग करने लगे। दहेज न लाने पर विवाहिता को प्रताड़ित किया जाने लगा। प्रताड़ना जब बर्दाश्त से बाहर हुई तो महिला ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। मामला 15 जून 2025 से 26 फरवरी 2026 के बीच चला। पुलिस ने इस मामले में जांच की तो ससुराल पक्ष के लोग दोषी मिले, इसके बाद मृतका के पति, ससुर, जेठ, ननद व देवर के खिलाफ दहेज के लिए प्रताड़ित करने और आत्महत्या के लिए प्रेरित किए जाने का मामला बुधवार को पुरानी छावनी पुलिस थाने में दर्ज किया गया है। राजकुमारी (28) की शादी आकाश कुशवाह पुत्र कदम सिंह कुशवाह निवासी ग्राम जमाहर पुरानी छावनी के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही राजकुमारी का पति आकाश, ससुर कदम सिंह उर्फ पप्पू, जेठ विनोद, देवर प्रमोद तथा ननद वासदेवी उसके साथ मारपीट करने लगे और दहेज लाने की मांग करने लगे। राजकुमारी को मायके से और दहेज लाने के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा। ससुरालियों द्वारा दी जा रही प्रताड़ना जब राजकुमारी से सहन नहीं हुई तो उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। राजकुमारी द्वारा आत्महत्या किए जाने के बाद उसके मायके पक्ष की तरफ से शिवम भदौरिया ने मामला कायम कराया, जिसके बाद पुलिस की जांच शुरु हुई। पुलिस जांच में इस बात के तथ्य मिले कि जो आरोप लगाए गए वह सही हैं। जांच के बाद पुलिस ने मृतका राजकुमारी के पति आकाश, ससुर कदम सिंह उर्फ पप्पू, जेठ विनोद, देवर प्रमोद तथा ननद वासदेवी के खिलाफ दहेज एक्ट तथा आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज कर लिया।

बरई-पनिहार में किसान संवादः जैव विविधता संरक्षण व प्राकृतिक खेती पर जोर

नगर संवाददाता, मुरैना

जिले के बरई-पनिहार गांव में गुरुवार को जलवायु लचीलापन, पोषण और आजीविका के लिए कृषि जैव विविधता के सतत संरक्षण एवं उपयोग में किसानों की भागीदारी विषय पर एक दिवसीय किसान संवाद एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। विंध्यांचल फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 100 जनजातीय किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. जेंसी राणा, इंडिया कंट्री रिप्रेजेंटेटिव, एलायंस ऑफ बायोडायवर्सिटी इंटरनेशनल द्वारा की गई। उन्होंने खाद्य प्रणाली आधारित दृष्टिकोण, प्राकृतिक खेती और जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में जैव विविधता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि टिकाऊ कृषि के लिए बहु-क्षेत्रीय सहभागिता आवश्यक है। कार्यक्रम में प्रो. डॉ. मोहम्मद यासीन (आरवीएसकेवीवी), डॉ. एके सिंह (केवीके दतिया) और डॉ. सुधीर के. पाठक (आईटीएम विश्वविद्यालय) ने किसानों को वैज्ञानिक व व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया। विशेषज्ञों ने पारंपरिक फसलों, देसी बीजों और प्राकृतिक खेती के महत्व को रेखांकित किया। वहीं डॉ. देवेंद्र भदौरिया, सीईओ, विंध्यांचल एफपीओ ने गांव स्तर पर सामुदायिक बीज बैंक स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। कार्यक्रम में किसानों को बीज संरक्षण, पोषणयुक्त फसल उत्पादन और जलवायु अनुकूल खेती के उपाय बताए गए।

किसानों को दिए आय बढ़ाने के सुझाव

ग्वालियर। कृषि विज्ञान केन्द्र ग्वालियर में राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन योजना के अंतर्गत एक दिवसीय राज्य स्तरीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें ग्वालियर सहित भिण्ड, मुरैना, दतिया व शिवपुरी जिलों के 250 से अधिक प्रगतिशील कृषक, युवा, मधुमक्खी पालक, कृषक उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव मौजूद रहीं, उन्होंने मधुमक्खी पालन को लाभकारी व्यवसाय बताते हुए इसे अपनाने का आह्वान किया। अध्यक्षता कर रहे राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. वायपी सिंह ने उद्यानिकी फसलों के साथ मधुमक्खी पालन से अतिरिक्त आय की जानकारी दी। समन्वयक डॉ. एसपीएस तोमर ने इसे कम लागत में शुरू होने वाला लाभकारी व्यवसाय बताया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शैलेन्द्र सिंह कुशवाह ने बताया कि मधुमक्खी पालन से फसलों के उत्पादन में 20-30 प्रतिशत तक वृद्धि होती है।

नशामुक्ति के संदेश के साथ मिनी मैराथन में युवाओं ने लिया संकल्प

ग्वालियर। नशामुक्त भारत अभियान के तहत जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से गुरुवार को ग्वालियर में मिनी मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने महाराज बाड़ा से कटोरा ताल तक आयोजित इस दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, विद्यार्थियों एवं सामाजिक संगठनों के वॉलंटियर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि नशा व्यक्ति की सेहत के साथ-साथ परिवार और समाज को भी कमजोर करता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर सकारात्मक जीवन अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि नशामुक्ति अभियान की सफलता समाज की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है। कार्यक्रम में संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय विनोद सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने समापन पर सभी को नशामुक्ति का संकल्प दिलाया। इस दौरान नशामुक्ति रथ भी साथ-साथ चले, जिनके माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया।

एसकेवी की छात्राओं से मिले डेनमार्क के राजदूत

नगर संवाददाता, शिवपुरी

डेनमार्क के राजदूत रासमस एबिलगार्ड क्रिस्टेंसन गुरुवार को ग्वालियर आए। उन्होंने सिंधिया कन्या विद्यालय पहुंचकर छात्राओं से मुलाकात की। प्राचार्य निशि मिश्रा ने उनका स्वागत किया। विद्यालय की छात्राओं ने उन्हें विद्यालय परिसर का भ्रमण कराया। इस दौरान उन्हें विद्यालय के शैक्षणिक ढांचे, सेवा पहल 'संकल्प' एवं संचय तथा रोबोटिक्स लैब संकल्पना से अवगत कराया। भ्रमण के उपरांत एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्राओं को उनसे विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछने का अवसर मिला। इन विषयों में डेनमार्क की संस्कृति, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति, शिक्षा प्रणाली तथा एक राजदूत के रूप में उनकी भूमिका शामिल रही। इस अवसर पर भारती सूद कॅरियर काउंसलर, उर्वशी पांडे कॉर्डिनेटर के रूप में उपस्थित रहीं।

बाल देखरेख संस्थाओं का आकस्मिक निरीक्षण, व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जिले में संचालित बाल देखरेख संस्थाओं का गुरुवार को आकस्मिक निरीक्षण किया गया। किशोर न्याय अधिनियम की धारा-54 के तहत गठित जिला स्तरीय निरीक्षण समिति एवं बाल कल्याण समिति के साथ संयुक्त कलेक्टर जूही गर्ग ने सेवा भारती मातृछाया शिशु कल्याण केन्द्र सहित अन्य संस्थाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सेवा भारती मातृछाया शिशु कल्याण केंद्र में 9 बालक-बालिकाएं निवासरत पाए गए। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि 5 बच्चों की गोद देने की प्रक्रिया जारी है, जिनमें से 2 बच्चों को विदेश में और 3 बालिकाओं को देश में ही दत्तक दिया जाएगा। इसके बाद समिति ने श्री शिवाजी शिक्षा एवं सामाजिक कल्याण समिति बालिका गृह का भी निरीक्षण किया, जहां 19 बालिकाएं निवासरत मिलीं। निरीक्षण के दौरान एक बालिका ने कलेक्टर बनने की इच्छा जताई, जिस पर समिति ने उसकी शिक्षा का खर्च उठाने की बात कही। अधिकारियों ने बालिकाओं के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के लिए स्त्री रोग विशेषज्ञ से जांच कराने के निर्देश भी दिए।

आईटीएम के विद्यार्थियों का जेबी मंघाराम फूड्स में शैक्षिणिक भ्रमण

ग्वालियर। आईटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेज अंतर्गत बायोटेक्नोलॉजी/माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा बायोटेक इनोवेटर्स क्लब के सहयोग से छात्र-छात्राओं का शैक्षिणिक औद्योगिक भ्रमण जेबी मंघाराम फूड्स प्राइवेट लिमिटेड में कराया गया। इस भ्रमण का आयोजन डीन प्रो. ऋचा कोठारी एवं विभागीय समन्वयक डॉ. रीता शर्मा के मार्गदर्शन में, सहायक प्राध्यापक डॉ. रचना सिंह एवं देवेंद्र सिंह के नेतृत्व में किया गया। इसमें बीएससी एवं एमएससी के विभिन्न सेमेस्टर के विद्यार्थी शामिल हुए। कंपनी में प्रतिनिधि विमला मिश्रा एवं श्री सैनी (ईएचपीएस) ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की कार्यप्रणाली, गुणवत्ता नियंत्रण एवं सुरक्षा मानकों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कंपनी उच्च गुणवत्ता बनाए रखने के लिए आधुनिक तकनीक और कड़े मानकों का पालन करती है। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने उत्पादन प्रक्रिया, मशीनों के संचालन, पैकेजिंग एवं भंडारण प्रणालियों को नजदीक से समझा।

भारतीय राजनीति में एक समय नारा गूंजता था–कांग्रेस मुक्त भारत। यह सिर्फ एक राजनीतिक लक्ष्य नहीं, बल्कि एक वैचारिक चुनौती भी था। लेकिन आज का परिदृश्य कहीं अधिक जटिल और दिलचस्प है। ऐसा लगता है कि यह नारा धीरे-धीरे एक नए रूप में बदल गया है–कांग्रेस युक्त भाजपा। सवाल यह नहीं कि कौन सही है या गलत, बल्कि यह कि राजनीति का मूल चरित्र आखिर किस दिशा में जा रहा है। बीते कुछ वर्षों में जिस तेजी से नेताओं का दलबदल हुआ है, उसने राजनीति की परिभाषा को ही बदल दिया है। कभी विचारधारा के आधार पर खड़े रहने वाले नेता अब 'विजेता पक्ष' के साथ खड़े होने में ज्यादा सहज दिखते हैं। इस बदलाव का सबसे प्रमुख उदाहरण हेमंता बिस्वा शर्मा जैसे नेता हैं, जिन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से निकलकर भारतीय जनता पार्टी में अपनी नई पहचान बनाई और आज उसी पार्टी के मजबूत स्तंभ बन चुके हैं।

यह सिर्फ एक व्यक्ति की कहानी नहीं है, बल्कि एक व्यापक राजनीतिक ट्रेंड का हिस्सा है—एक ऐसा ग्रेट माइग्रेशन जिसमें विचारधारा की जगह 'सत्ता की संभावनाएं' ले रही हैं। चुनाव के ठीक पहले नेताओं का पाला बदलना अब अपवाद नहीं, बल्कि एक रणनीतिक कदम बन चुका है। यह प्रवृत्ति इस बात की ओर इशारा करती है कि राजनीति अब सिद्धांतों से ज्यादा 'इलेक्टेबिलिटी' और 'पावर मैनेजमेंट' पर केंद्रित हो गई है। इस बदलाव के पीछे विपक्ष की कमजोरी भी एक बड़ा कारण है।

संपादकीय

कांग्रेस मुक्त भारत' से 'कांग्रेस युक्त भाजपा' तक: सियासत का बदलता....

जब संगठन कमजोर होता है, नेतृत्व बिखरा होता है और जमीनी पकड़ ढीली पड़ जाती है, तब नेताओं के लिए सत्ता पक्ष की ओर झुकाव स्वाभाविक हो जाता है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की लगातार घटती ताकत और आंतरिक चुनौतियों ने इस प्रवृत्ति को और तेज किया है। दूसरी ओर,भारतीय जनता पार्टी ने खुद को एक मजबूत, संसाधन-संपन्न और चुनावी रूप से प्रभावी मशीन के रूप में स्थापित किया है।

लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में सबसे बड़ा सवाल विचारधारा का है। क्या अब विचारधारा सिर्फ चुनावी भाषणों तक सीमित रह गई है? जब अलग-अलग वैचारिक पृष्ठभूमि से आए नेता एक ही मंच पर सहजता से खड़े दिखते हैं, तो यह संकेत देता है कि राजनीतिक दल अब 'इंक्लूसिव' तो हो रहे हैं, लेकिन वैचारिक रूप से 'डायल्यूट' भी हो रहे हैं। यह भी सच है कि राजनीति हमेशा से व्यावहारिकता और समझौते का खेल रही है। लेकिन जब सत्ता ही अंतिम लक्ष्य बन जाए और विचारधारा सिर्फ एक माध्यम, तब लोकतंत्र की गुणवत्ता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। मतदाता के लिए यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि वह किस विचार को वोट दे रहा है—पार्टी को, नेता को या सिर्फ जीत की संभावना को। भारतीय राजनीति आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां कौन किसके साथ है से ज्यादा अहम यह हो गया है कि कौन सत्ता के करीब है। यह बदलाव अल्पकालिक रूप से स्थिरता दे सकता है, लेकिन दीर्घकाल में यह राजनीतिक विश्वास और वैचारिक स्पष्टता को कमजोर कर सकता है। अंततः, लोकतंत्र सिर्फ चुनाव जीतने की मशीन नहीं है; यह विचारों, सिद्धांतों और जनविश्वास का संतुलन है। अगर यह संतुलन बिगड़ता है, तो राजनीति सिर्फ गणित बनकर रह जाएगी—जहां जोड़-तोड़ तो होगा, लेकिन दिशा शायद खो जाएगी।

सुविचार

सौभाग्य वीर से डरता है और कायर को डराता है।

सेहत

सेहतमंद तुलसी...

मुट्ठी भर (नियमित) तुलसी के पत्ते चबाना इम्यूनिटी बढ़ाने, सर्दी-खांसी कम करने, तनाव घटाने और पाचन में सुधार करने के लिए बहुत फायदेमंद है। ये एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, जो ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद करते हैं और ओरल हेल्थ (मुंह की दुर्गंध/छाले) के लिए भी उपयोगी हैं।

तुलसी के पत्ते चबाने या सेवन के प्रमुख फायदे

इम्यूनिटी और श्वसन स्वास्थ्य- तुलसी में मौजूद विटामिन्स, जिंक और आयरन इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं। यह सर्दी, खांसी, अस्थमा और ब्रोंकाइटिस के लक्षणों में राहत देता है।

पाचन में सहायक- यह भूख को नियंत्रित करता है, पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है और कब्ज जैसी समस्याओं को कम करने में मदद करता है।

तनाव और मानसिक स्वास्थ्य- तुलसी एक एडाप्टोजेन (तनाव कम करने वाला) के रूप में कार्य करती है, जो मानसिक शांति बनाए रखने और तनाव के स्तर को कम करने में सहायक है।

हृदय और ब्लड शुगर- यह कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित कर हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है और ब्लड शुगर के स्तर को कम करने में भी मदद कर सकती है।

ओरल और स्किन हेल्थ- यह प्राकृतिक माउथ फ्रेशनर है, जो दांतों की कैविटी और सांस की बदबू को दूर करता है। इसके एंटी-बैक्टीरियल गुण स्किन के लिए भी फायदेमंद हैं।

संक्रमण रोधी- तुलसी के एंटीबैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण मुंह के छालों और अन्य संक्रमणों को ठीक करने में मदद करते हैं।

तुलसी में एंटीप्लेटलेट प्रभाव हो सकता है, जो रक्त के थक्के जमने में बाधा उत्पन्न कर सकता है।

सावधानी- तुलसी के पत्तों में पारा हो सकता है, इसलिए इन्हें चबाने के बजाय निगलना या काढ़ा बनाकर पीना बेहतर माना जाता है।

क्या आप जानना चाहते हैं कि तुलसी के पत्ते चबाने के बाद मुंह में किस प्रकार के कीटाणु खत्म हो जाते हैं?

ज्ञानवाणी

तुम नजर में हो

एक दिन सुबह सुबह दरवाजे की घंटी बजी, मैं उठकर आया दरवाजा खोला तो देखा एक आकर्षक कद काठी का व्यक्ति चेहरे पे प्यारी सी मुस्कान लिए खड़ा है...

मैंने कहा- जी कहिए..
तो बोला- अच्छा जी, आज.. जी कहिये
रोज़ तो एक ही गुहार लगाते थे ,
प्रभु सुनिए, प्रभु सुनिये.....आज, जी कहिये वाह..!
मैंने आँख मसलते हुए कहा-
माफ कीजीये भाई साहब!
मैंने पहचाना नही आपको
तो कहने लगे- भाई साहब नही, मैं वो हूँ जिसने तुम्हे साहेब बनाया है
अरे ईश्वर हूँ... ईश्वर
तुम हमेशा कहते थे, नज़र मे बसे हो पर नज़र नही आते, लो आ गया..!
अब आज पूरा दिन तुम्हारे साथ ही रहूँगा
मैंने चिढ़ते हुए कहा- ये क्या मजाक है!!!
अरे मजाक नही है, सच है, सिर्फ तुम्हे ही नज़र आऊंगा
तुम्हारे सिवा कोई देख-सुन नही पायेगा मुझे
कुछ कहता इसके पहले पीछे से माँ आ गयी...
ये अकेला ख़ड़ा खड़ा क्या कर रहा है यहाँ... चाय तैयार है, चल आजा अंदर...
अब उनकी बातों पे थोड़ा बहुत यकीन होने लगा था, और मन में थोड़ा सा डर भी था..
मैं जाकर सोफे पे बैठा ही था, तो बगल में वो आकर बैठ गए
चाय आते ही जैसे ही पहला घूँट पिया
गुस्से से चिल्लाया- यार... ये चीनी कम नही डाल सकते हो क्या आप इतना कहते है, ध्यान आया अगर ये सचमुच में ईश्वर है तो इन्हें कतई पसंद नही आयेगा कोई अपनी माँ पे गुस्सा करे।
अपने मन को शांत किया और समझा भी दिया कि भाई तुम नज़र मे हो आज ज़रा ध्यान से बस फिर में जहाँ जहाँ वो मेरे पीछे पीछे पूरे घर मे थोड़ी देर बाद नहाने के लिये जैसे ही में बाथरूम की तरफ चला, तो उन्होंने भी कदम बढा दिए..
मैंने कहा- प्रभु यहाँ तो बख्श दो!!
खैर नहाकर, तैयार होकर मे पूजा घर में गया, यकीनन पहली बार तन्मयता से प्रभु को रिझाया क्योंकि आज अपनी ईमानदारी जो साबित करनी थी..
फिर आफिस के लिए घर से निकला, अपनी कार मे बैठा, तो देखा बगल वाली सीट पे महाशय पहले ही बैठे हुए है सफर शुरू हुआ तभी एक फ़ोन आया, और फ़ोन उठाने ही वाला था कि ध्यान आया तुम नज़र मे हो ।

सारा संसार रंगमंच है और हम सब हैं महज कलाकार

"हर वर्ष, थिएटर समुदाय में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति को अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान द्वारा विश्व रंगमंच दिवस संदेश की रचना हेतु चुना जाता है, जो 'रंगमंच और शांति की संस्कृति' यानी थिएटर एंड ए कल्चर ऑफ पीस की थीम पर आधारित होता है। रंगमंच की खूबसूरती इसी में है कि यह कल्पनाओं पर आधारित न होकर समाज में घटित घटनाओं, मानव भावनाओं और जीवन संघर्षों को प्रभावी ढंग से दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करता है। रंगमंच यानी थिएटर केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह अभिव्यक्ति का प्रभावी और सशक्त जरिया है जो इंसानी अनुभवों और भावनाओं की विविधता को दर्शाता है। इसके जरिए प्राचीन ग्रीक त्रासदियों से अब तक तमाम प्रस्तुतियों का मंचन कर लगातार रंगमंच निखरता रहा है। सच कहें तो पीढ़ियों और संस्कृतियों के दर्शकों के हृदय को यही तो छूता है! दरअसल यह अपनी कहानी कहने का भी मंच प्रदान करता है।"

ऋतुपर्ण दवे

वास्त्व में रंगमंच जीवंत कला को समझने-सम्मानित करने का एक अवसर होता है। विश्व रंगमंच दिवस की शुरुआत 1961 में अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान(आईटीआई) द्वारा की गई और 27 मार्च 1962 को पेरिस में थिएटर ऑफ नेशंस सत्र के उद्घाटन के साथ मनाया गया। तभी से इस दिन को विश्वभर में विभिन्न कार्यक्रमों, प्रस्तुतियों, वार्ताओं और अन्य गतिविधियों के साथ मनाया जाने लगा। नाटक-अभिनय हर संस्कृति का अहम हिस्सा होते हैं। ये वैश्विक स्तर पर समाज और रंगमंच के गहरे प्रभाव की न केवल याद दिलाते हैं बल्कि रंगमंचीय कलात्मकता और रचनात्मकता का जश्न भी मनाते हैं। यह एक ऐसा अवसर और कला का प्रदर्शन है जिससे समाज में सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी सामने आते हैं। दुनिया भर में इस मौके पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नाट्य कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इसी कड़ी में सबसे खास विश्व रंगमंच दिवस के संदेश का प्रसार होता है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान के बुलावे पर वैश्विक हस्तियां रंगमंच और शांति की संस्कृति विषय पर अपने विचार साझा करती हैं। इस आयोजन की शुरुआत करते हुए पहला विश्व रंगमंच दिवस संदेश 1962 में जीन कोक्ट्यू जो प्रख्यात फ्रांसीसी लेखक, नाटककार और निर्देशक थे, उनके द्वारा लिखा गया।

हर वर्ष, थिएटर समुदाय में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति को अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान द्वारा विश्व रंगमंच दिवस संदेश की रचना हेतु चुना जाता है, जो 'रंगमंच और शांति की संस्कृति' यानी थिएटर एंड ए कल्चर ऑफ पीस की थीम पर आधारित होता है। रंगमंच की खूबसूरती इसी में है कि यह कल्पनाओं पर आधारित न होकर

समाज में घटित घटनाओं, मानव भावनाओं और जीवन संघर्षों को प्रभावी ढंग से दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करता है। रंगमंच यानी थिएटर केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह अभिव्यक्ति का प्रभावी और सशक्त जरिया है जो इंसानी अनुभवों और भावनाओं की विविधता को दर्शाता है।

इसके जरिए प्राचीन ग्रीक त्रासदियों से अब तक तमाम प्रस्तुतियों का मंचन कर लगातार रंगमंच निखरता रहा है। सच कहें तो पीढ़ियों और संस्कृतियों के दर्शकों के हृदय को यही तो छूता है! दरअसल यह अपनी कहानी कहने का भी मंच प्रदान करता है। अवसर कुछ ऐसा होता है जिसमें व्यक्ति जटिल से जटिल विषयों का अन्वेषण कर, चिंतन के लिए बढ़ सकता है। परिवर्तन की प्रेरणा को साकार मूर्त रूप देने का भी यह अवसर होता है।

चाहे समाज में जागरूकता बढ़ाना हो या अंधविश्वास उजागर करना, इन सारे महत्वपूर्ण विषयों में थिएटर की भूमिका अहम होती है। कला के जरिए प्रोत्साहन का इससे बेहतर अवसर और मंच की आवश्यक्ता को यह सिध्द करता है। कार्यशालाओं, प्रदर्शनों और चर्चाओं के जरिए एक दूसरे की भाषा से अनभिज्ञ दुनिया भर के लोग रंगमंच के जादू और इसकी परिवर्तनकारी क्षमता का जश्न मनाते एक साथ आकर भाषा न समझे लेकिन, भावनाओं को समझते हैं। सच कहें तो रंगमंच न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करता है, बल्कि आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भागीदार होता है। रोजगार सृजन से लेकर पर्यटन के आकर्षण और आर्थिक विकास को गति देने में रंगमंच उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावा, रंगमंच रचनात्मक, आलोचनात्मक सोच और सहानुभूति को बढ़ावा देता है, जो व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए आवश्यक कौशल है।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान और संवाद को बढ़ावा देकर, रंगमंच विभिन्न पृष्ठभूमियों के व्यक्तियों के बीच दूरियों को कम करता है और समझ को बढ़ाता है। यह सहयोग और समन्वय भी प्रोत्साहित करता है, जिससे समुदाय और अपनेपन की भावना विकसित होती है।

रंगमंच महज मनोरंजन का साधन न होकर समाज का आईना भी है। जिसमें हमें, हमारी छवि साफ दिखती है। इसके जरिए समाज की हकीकत भी सामने आती हैं। मंच पर प्रस्तुत सारी कहानियां, संवाद और अभिनय कहीं न कहीं हमारे वास्तविक जीवन की किसी न किसी सच्चाई को प्रतिबिंबित करते हैं। इसका जरिया कुछ भी हो सकता है। चाहे ग्रीक ट्रैजेडी हो, कॉमेडी या फिर लोकनाट्य या फिर हमारा मौजूदा थिएटर सबका मकसद एक ही होता है कि किस प्रकार समाज को जागरूक करें, कैसे नई दिशा और दृष्टि देकर, सुधार ला सकें।

भारतीय रंगमंच के संदर्भ में देखें तो इसका बहुत पुराना इतिहास है जो वैदिक काल से जुड़ा हुआ है। इसे भरतमुनि के नाट्य शास्त्र द्वारा औपचारिक रूप दिया गया जो कि नाटक पर एक जरूरी ग्रन्थ के रूप में दस्तावेज है। यह ईसा पूर्व 2000 और चौथी शताब्दी के बीच लिखा गया था। यह कहानी कहने की शैलियों से विकसित हुआ जिसमें सस्वर पाठ, गायन और नृत्य शामिल थे। शास्त्रीय संस्कृत नाटक, पारंपरिक स्थानीय रूप और समकालीन रंगमंच शामिल हैं।

भारतीय नाट्यशास्त्र नाटक के विभिन्न रूपों को न केवल वर्गीकृत करता है बल्कि रंगमंच में अभिनेताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली विधियों को भी रेखांकित करता है। पारंपरिक भारतीय रंगमंच नृत्य और नाटक को मिलाते हुए प्रायः हिंदू ग्रंथों में निहित कहानियों को भी प्रदर्शित करते हैं। कथकली विशेष उदाहरण है जिसमें जटिल वेशभूषा और श्रृंगार की विशेषताओं से युक्त अत्यधिक शैलीगत प्रदर्शन होता है।

भारत के संदर्भ में कई व्यावसायिक थियेटर ग्रुप अच्छा काम कर रहे हैं। इनसे जुड़कर अच्छे रोजगार की संभावनाएं भी बनती हैं और रंगमंच में पहचान अलग। रंगमंचीय अभिनय, निर्देशन, परिकल्पना और अन्य कई विधाएं जैसे कोरियोग्राफर, आर्ट डायरेक्टर, स्क्रिप्ट लेखक, सेट डिजाइनर,लाइट, साउंड और तकनीक आदि हमारी कला और संस्कृति को जीवंत रखते हुए रोजगार और पहचान के भी बेहतरीन अवसर देती हैं।

गैस संकट से निपटने के हों ठोस उपाय

रोहित माहेश्वरी

खाड़ी देशों में चल रहे तनाव का असर अब भारत की गैस सप्लाई पर भी दिखने लगा है। गैस संकट ने रसोई के बजट और ऊर्जा सुरक्षा के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। चुनौती और संकट बड़ा है। भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का बंद होना है। ये करीब 167 किमी लंबा जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। ईरान जंग के कारण यह रूट अब सुरक्षित नहीं रहा है। दुनिया के कुल पेट्रोलियम का 20 फीसदी हिस्सा यहीं से गुजरता है। सऊदी अरब, इराक और कुवैत जैसे देश भी अपने निर्यात के लिए इसी पर निर्भर हैं। भारत अपनी जरूरत का 50 फीसदी कच्चा तेल और 54 फीसदी एलएनजी इसी रास्ते से मंगाता है। भारत दुनिया में एलपीजी का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है, जिसका उपयोग खाना पकाने के लिए किया जाता है।

गैस-तेल संकट पर पीएम मोदी ने संसद में कहा कि सरकार इस मुद्दे पर संवेदनशील भी है, सतर्क भी है और हर सहायता के लिए तत्पर भी है। लेकिन जमीनी हालात देखें तो ऐसा आभास होता है कि सरकार जो बता रही है, वो आधा सच है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि सिलेंडर की डिलीवरी में देरी हो रही है, जिससे उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है। दिलचस्मप बात यह है कि मोदी सरकार एक तरफ तो किसी तरह का संकट होने की बात से ही इनकार कर रही है, वहीं दूसरी ओर वे यह भी कह रहे हैं कि, ÷जिस तरह भारत से कोरोना महामारी के चलते पैदा हुए संकट से उबरा था, उसी तरह एलपीजी के संकट से भी उबर जाएगा। सवाल है कि जब आप संकट मान ही नहीं रहे हैं तो फिर किस संकट से उबरने की बात कर रहे हैं? सवाल यह भी है कि अगर

सब कुछ ठीक है, गैस सिलेंडरों की कमी नहीं है और आपूर्ति श्रृंखला पूरी तरह से सुचारू रूप से काम कर रही है तो सुप्रीम कोर्ट की कैंटीन में मेन कोर्स का खाना बनना क्यों बंद हो गया? अयोध्या में चलने वाली राम रसोई क्यों बंद हुई, जहां 25 हजार तीर्थयात्री प्रतिदिन निशुल्क भोजन करते हैं? स्वयं मोदी के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी के अन्नपूर्णा मंदिर में 35 साल से तीर्थयात्रियों के लिए चल रही रसोई क्यों बंद है? भारतीय रेलवे अपनी कैटरिंग सर्विस क्यों सीमित करने की तैयारी कर रहा है? जमीनी हकीकत यह है कि देशभर में सिलेंडर की कमी दिख रही है। खान पान का कारोबार सीधे तौर पर प्रभावित हुआ है। इन सबके बीच एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग को लेकर एक बार फिर बड़ा बदलाव किया गया है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के अनुसार अब जिनके यहां दो एलपीजी सिलेंडर हैं, उन्हें 35 दिन बाद गैस सिलेंडर की बुकिंग दी जाएगी। हालांकि सिंगल सिलेंडर वालों के लिए बुकिंग की अवधि फिलहाल 25 दिन ही रहेगी। इसके अलावा, उज्जवला योजना वाले उपभोक्ताओं की 45 दिन बाद बुकिंग स्वीकार की जाएगी। कॉमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति शासन के आदेशानुसार सिर्फ आपात सेवाओं और शिक्षण संस्थानों के लिए की जा रही है। आंकड़ों के आलोक में बात की जाए तो 2014 तक देश में केवल 14 करोड़ एलपीजी कनेक्शन थे, जो अब दोगुने से भी अधिक बढ़कर 33 करोड़ हो गए हैं। भारत सरकार ने उज्ज्वला या प्रकाश स्वच्छ ऊर्जा योजना को बढ़ावा दिया है, जिसके तहत गरीब परिवारों को 10 करोड़ से अधिक एलपीजी कनेक्शन प्रदान किए हैं।बढ़ती जरूरतों के लिहाज से पिछले एक दशक में सरकार ने एलपीजी बॉटलिंग क्षमता को दोगुना कर दिया है, जबकि वितरण केंद्रों की संख्या 13,000 से बढ़कर 25,000 हो गई है। भारत ने पिछले 11 साल में अपनी क्रूड ऑयल इम्पोर्ट का डाइवर्सिफिकेशन किया है। पहले 27 देशों से एनर्जी इम्पोर्ट होता था, आज 41 देशों से इम्पोर्ट हो रहा है। वैश्विक संकट के आर्थिक असर को देखते हुए पीएम मोदी ने राज्यसभा में बताया कि भारत सरकार ने 7 नए एम्पावर्ड ग्रुप्स का गठन किया है। ये ग्रुप पेट्रोल, डीजल, गैस और सप्लाई चेन जैसी चुनौतियों पर 24 घंटे नजर रखेंगे। गैस संकट से उपजी स्थिति का फायदा उठाते हुए कुछ बेईमान तत्व सिलेंडरों को काला बाजार में बेच रहे हैं, जिससे आम आदमी पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए देश भर में लगातार छापेमारी की जा रही है। उत्तर प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में अब तक 3500 से ज्यादा छापे मारे गए हैं और करीब 1400 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। तेल कंपनियों के अधिकारियों ने 2000 से ज्यादा पेट्रोल पंप और एलपीजी एजेंसियों पर अचानक जांच भी की है, ताकि सप्लाई सुचारू बनी रहे और किसी तरह की गड़बड़ी न हो। हाल ही में सोशल मीडिया और कुछ खबरों में यह दावा किया जा रहा था कि सरकार 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर को घटाकर 10 किलो करने वाली है।

दरअसल भारत में रसोई गैस सिलेंडर की समस्या आज की नहीं है। पहले की सरकारों के समय भी यह समस्या रही है। इस समस्या की मूल वजह है सरकार के पास गैस भंडारण की पर्याप्त व्यवस्था न होना। चूंकि गैस का भंडारण महंगा पड़ता है, इसलिए भारत ने खुद को लगातार आपूर्ति पर ही निर्भर बनाए रखा। मौजूदा सरकार ने भी गैस के भंडारण की समुचित व्यवस्था करने की दिशा में कोई प्रयास नहीं किया। मोदी की सरकार ने उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त में रसोई गैस के कनेक्शन बांटने शुरू किए और स्वच्छ ऊर्जा अपनाने का अभियान शुरू किया तो उसके हिसाब से एलपीजी के भंडारण की व्यवस्था भी करनी चाहिए थी और आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर करना चाहिए था।

मर्यादा,त्याग और कर्तव्यनिष्ठा के सर्वकालिन प्रतिमान प्रभु श्री राम

संजीव ठाकुर

रामनवमी का पावन पर्व केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि मर्यादा, धर्म और आदर्श जीवन मूल्यों की स्मृति का दिवस है। इस दिन भगवान श्रीराम का जन्म हुआ, जिन्हें भारतीय संस्कृति में मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। श्रीराम का जीवन केवल कथा नहीं, बल्कि आचरण का ऐसा प्रकाश स्तंभ है जो युगों-युगों तक मानवता को मार्ग दिखाता रहेगा।

भगवान श्रीराम का चरित्र त्याग, कर्तव्य और सत्यनिष्ठा का अनुपम उदाहरण है। अयोध्या के राजकुमार होते हुए भी उन्होंने पिता के वचन की रक्षा के लिए बिना किसी संकोच के चौदह वर्षों का वनवास स्वीकार कर लिया। यह त्याग केवल एक पुत्र का नहीं, बल्कि आदर्श मानव का परिचायक है, जो अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर धर्म और कर्तव्य को सर्वोपरि मानता है।

श्रीराम का जीवन हमें सिखाता है कि परिस्थितियाँ कैसी भी हों, धर्म का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए। वनवास के कठिन जीवन में भी उन्होंने धैर्य, संयम और सहनशीलता का परिचय दिया। राक्षसों का विनाश कर उन्होंने न केवल ऋषियों की रक्षा की, बल्कि यह संदेश भी दिया कि अधर्म चाहे कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः सत्य और धर्म की ही विजय होती है।

भगवान श्रीराम एक आदर्श पुत्र ही नहीं, बल्कि आदर्श भाई, पति और राजा भी थे। अपने भाइयों के प्रति उनका स्नेह, विशेषकर लक्ष्मण और भरत के साथ उनका संबंध, प्रेम और त्याग की सर्वोत्तम मिसाल है। माता सीता के प्रति उनकी निष्ठा और सम्मान भारतीय पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ करता है।

जब श्रीराम अयोध्या के राजा बने, तब उन्होंने रामराज्य की स्थापना की, जो न्याय, समानता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। उनके शासन में प्रजा सुखी और संतुष्ट थी, जहाँ हर व्यक्ति को न्याय मिलता था। आज भी रामराज्य को आदर्श शासन व्यवस्था के रूप में देखा जाता है।

रामनवमी का यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि श्रीराम के आदर्श केवल पूजा के लिए नहीं, बल्कि जीवन में अपनाने के लिए हैं। आज के समय में जब समाज अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है, तब श्रीराम के सत्य, त्याग, मर्यादा और कर्तव्य के सिद्धांत पहले से अधिक प्रासंगिक हो गए हैं।

अंततः, भगवान श्रीराम का जीवन हमें यह संदेश देता है कि सच्चा सुख बाहरी वैभव में नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने और सत्य के मार्ग पर चलने में है। रामनवमी के इस पावन अवसर पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम भी श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारकर समाज को एक बेहतर दिशा देने का प्रयास करेंगे।

राम केवल एक नाम नहीं,
एक आदर्श है जो हर युग में, हर मन में जीवित रहता है।

नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने लगाएं जाएंगे शिविर

ग्रापं छींद छुछार में अपने कार्यकाल में संगीता ने कराए अनेकों विकास कार्य

बरेली (नि.प्र.)

ग्राम पंचायत छुछार दो गांव से मिलकर बनता है। ग्राम छिंद एवं ग्राम छुछार की सरपंच संगीता यशपाल रघुवंशी सरपंच 2022 में पंचायत चुनाव में चुनी गई थीं। संगीता रघुवंशी अधिवक्ता यशपाल रघुवंशी की धर्मपत्नी हैं, जो विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में हमेशा सक्रिय रहते हैं इन दोनों ग्रामों के विशेष रूप से निर्धन व्यकित यों के कानूनी अधिकार के लिए हमेशा यशपाल रघुवंशी आगे रहे हैं। ग्राम जनों को निशुल्क कानूनी सहायता बड़े स्तर पर उपलब्ध कराते रहे हैं, ग्राम जनों की बिजली स्वच्छता व अन्य समस्याओं वी किसानों के लिए यशपाल रघुवंशी ने बड़े-बड़े आंदोलन किए हैं जिसका लाभ उन्हें ग्राम पंचायत चुनाव में प्राप्त हुआ।

पार्कि ग की समस्या की हल : ग्राम पंचायत अपने पंचायत अधिनियम के अंतर्गत प्रदान कर्तव्य के अतिरिक्त यहां पधारने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नित्य कार्य कर रही है, प्रसिद्ध हनुमान मंदिर दर्शन के लिए यहां लाखों दर्शनार्थी आते हैं लेकिन पार्किंग का कोई स्थान न होने के कारण दर्शनार्थियों को भारी असुविधा होती थी। ग्राम पंचायत ने निजी स्वामियों के सहयोग से विशाल पार्किंग का प्रबंध करवाया है, जिससे यहां पधारने वाले श्रद्धालुओं को पार्किंग संबंधी आसुविधा का बहुत कुछ समाधान हुआ है। वर्तमान में यहां 3000 गाड़ियों की पार्किंग का इंतजाम है, बड़े मेला के दिनों पर यहां बड़े-बड़े जाम लग जाते थे, जिनमें अब भारी कमी आई है। श्रद्धालुओं को पीने के लिए शीतल जल का प्रबंध ग्राम पंचायत द्वारा करवाया गया है मंदिर के पास आरो वॉटर ग्राम पंचायत द्वारा लगाई गई है, वहीं तिराहा पर एक शीतल जल स्थाई प्याऊ का इंतजाम करवाया गया है जहां 24 घंटे शुद्ध और शीतल जल प्राप्त होता है। वहीं ग्राम पंचायत द्वारा एक विशाल रेन बसेरा का निर्माण करवाया गया है जहां श्रद्धालुओं को बैठने रूकने एवं भंडारा करने की सुविधा प्रदान की गई है ।

पार्क, स्विमिंग पूल और फव्वारे का निर्माण : ग्राम पंचायत द्वारा जनपद पंचायत के सहयोग से सुंदर पार्क का निर्माण किया गया है जिसमें स्विमिंग पूल और फवारा बनाए गए हैं जो अत्यंत आकर्षक इसी स्थान पर पृथ्वी का निर्माण किया गया है, जो जन स्वास्थ्य के लिए काम आ रहा है यहां बेंच लगाई गई है जहां लोग बैठकर स्वच्छ वातावरण का लाभ ले सकते हैं।

स्ट्रीट लाइट : ग्राम पंचायत द्वारा ग्राम चैन की मुख्य सड़क पर स्ट्रीट लाइट लगाई गई है और खंभों पर सुंदर सीरीज लगाई गई है। सीकरी ग्रापं दोनों ग्राहकों के अंदर के रोड पर लाइट की व्यवस्था कर रही है।

सार्वजनिक शौचालय का निर्माण : यहां आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए ग्रापं द्वारा एक अतिरिक्त सार्वजनिक शौचालय का निर्माण किया गया है जिसमें 6 स्नान घर के निर्माण भी किए गए हैं जिससे श्रद्धालु यहां स्नान कर सकते हैं। ग्राम पंचायत द्वारा ओएनजीसी के सहयोग से यहां ग्राम चिन्ह में व्यायाम शाला का निर्माण किया जा रहा है यह ओपन जिम लगाई जा रही है।

जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने सर्वे

ग्राम पंचायत निरंतर यह प्रयास कर रही है कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक-एक व्यक्ति को मिले लेकिन जागरुकता की कमी के कारण अनेकों लोग आवेदन नहीं कर पाते इस कारण ग्राम पंचायत में 11 जन कल्याणकारी योजना का सर्वे करवाया। ग्राम पंचायत की आठ सदस्य टीम घर-घर पहुंची और पता किया कि इन 11 योजनाओं का लाभ वह परिवार ले रहा है कि नहीं, जिसमें अनेकों लोग वंचित पाए गए। अब ग्राम पंचायत यहां एक-एक विषय पर अलग-अलग सर्वेक्षण स्वयं के खर्चे पर लोगों वंचित व्यक्तियों के आवेदन करवाएगी और उन्हें यह लाभ दिलाए। अनेकों लोग आधार कार्ड में फोन नंबर लिंक से वंचित हैं, इसलिए ग्राम पंचायत यहां 6 अप्रैल को आधार कार्ड कैंप का आयोजन कर रही है, जिसमें सर्व में आए ऐसे लोग जिनके नंबर दर्ज लिंक नहीं है आधार कार्ड से उन्हें बुलाकर नंबर दर्ज किए जाएंगे। इसके बाद आयुष्मान कैंप लगाया जाएगा, सभी वंचित लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। इसके बाद संभल कैंप लगाया जाएगा, जिसमें सभी वंचित लोगों के संबल आवेदन करवाकर संबल कार्ड बनाए जाएंगे। राशन कार्ड कैंप लगाकर ऐसे पात्र व्यक्ति जो वंचित रह गए हैं उनके नाम राशन कार्ड में जोड़े जाएंगे।

मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल का निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग

सरपंच संगीता यशपाल रघुवंशी का कहना है ग्राम पंचायत को मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल का निरंतर मार्गदर्शन सहयोग प्राप्त हो रहा है। मंत्री जी द्वारा ग्राम पंचायत को तीन भवन प्रदान किए गए हैं भारत माता भवन दीनदयाल मंडपम बिरसा मुंडा भवन आने वाले श्रद्धालुओं के लिए दिए है, जहां भारत माता भवन श्रद्धालुओं के लिए उपयोगी साबित होगा, वहीं जनजाति बंधुओं के लिए बिरसा मुंडा भवन और दीनदयाल उपाध्याय मंडपम बहुत उपयोगी होंगे, जहां ग्राम के निरधन लोग अपने सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन कर सकेंगे। मंत्री जी ने रायसेन जिले में मुख्यमंत्री का प्रथम दौरा इसी ग्राम में करवाया था। इसके अलावा मुख्यमंत्री जब बरेली आए तो उनने मंत्री जी के अनुरोध पर छींद में स्थित प्रसिद्ध हनुमान जी मंदिर को अयोध्या की तरह चमकाने की घोषणा की है, जिस दिशा में मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल निरंतर प्रयास कर रहे हैं। यहां पर्यटन विभाग के सहयोग से तालाब सौंदर्य करण एवं अन्य पर्यटन गतिविधि की विकसित किए जाने की योजना पर कार्य किया जा रहा है जो शीघ्र मूर्त रूप लेगा।

टैक्स संग्रहण में नंबर वन

मध्य प्रदेश शासन की यह मनसा रही है की ग्राम पंचायत टैक्स संग्रहण कर वित्तीय रूप से सशक्त बने, ग्राम पंचायत छुछार छोटी सी ग्राम पंचायत है, जहां कोई भी व्यावसायिक गतिविधियां नहीं है। वहीं बाड़ी ब्लॉक में अनेकों ग्राम पंचायत ऐसी हैं जो विशाल हैं और अनेकों व्यावसायिक गतिविधियां हैं, लेकिन इसके बाद भी ग्राम छींद संपूर्ण जनपद पंचायत बाड़ी में सबसे अधिक टैक्स संग्रहण करने वाली पंचायत है। इस प्रकार ग्राम पंचायत अपने ग्राम पंचायत संबंधी अधिकार कर्तव्यों की पूर्ति के लिए निरंतर प्रयास कर रही है और यह पंचायत में निश्चित किया है कि एक भी पात्र व्यक्ति किसी भी योजना से वंचित नहीं रह पाएगा समग्र अभियान चलाकर लाभ दिलाएंगे।

वात्सल्य कॉन्वेंट हायर सेकंडरी के बच्चों ने 5वीं एवं 8वीं में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

बरेली (नि.प्र.)

नगर की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था वात्सल्य कॉन्वेंट हायर सेकंडरी स्कूल बरेली के बच्चों ने 5वीं और 8वीं बोर्ड परीक्षा में अनुकरणीय प्रदर्शन करके वात्सल्य परिवार का नाम गौरवान्वित किया है। कक्षा 8वीं का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत तथा कक्षा 5वीं का लगभग 100 प्रतिशत रहा, जो कि बरेली शहर के अशासकीय विद्यालयों में सर्वश्रेष्ठ है। कक्षा 8वीं में 90 प्रतिशत अंकों के साथ नेहा ठाकुर सुपुत्री चन्द्रभान सिंह ठाकुर ने विद्यालय में प्रथम तथा मास्टर अमन खान सुपुत्र रिजवान खान ने 89 प्रतिशत के साथ दूसरा और कुमारी भक्ति दुबे सुपुत्री रामजी दुबे ने 87.6 प्रतिशत के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया है ।

इसी प्रकार कक्षा 5वीं की परीक्षा में कुमारी खुशबू ठाकुर सुपुत्री जीतेन्द्र ठाकुर ने 92.7 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान तथा मास्टर सिद्धार्थ सिंह ठाकुर सुपुत्र शिवकुमार ठाकुर ने 87.7 प्रतिशत के साथ विद्यालय में दूसरा और मास्टर शिवा मालवीय सुपुत्र अनूप सिंह मालवीय ने 84.2 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त किया है । विद्यालय के प्रबंधन ने एमपी बोर्ड की कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड परीक्षा में विद्यालय के उल्लेखनीय परीक्षा परिणाम के साथ ही अधिकांश बच्चों के प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने पर संतोष व्यक्त करते हुए विद्यालय के सभी विद्यार्थियों और समर्पित शिक्षकों की टीम को वात्सल्य परिवार की तरफ से हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं तथा भविष्य में और अधिक निष्ठा और लगन के साथ शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को उद्देश्यपूर्ण बनाने का आह्वान किया ।

इसके साथ ही उन्होंने सम्माननीय अभिभावकों को उनके सहयोग और समय-समय पर गरिमामयी उपस्थिति और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद व आभार व्यक्त किया। स्कूल के प्राचार्य वैभव शर्मा एवं संस्था के संचालकों ने छात्र-छात्राओं की इस उपलब्धि पर उन सभी को बधाई शुभकामनाएं दी हैं। वात्सल्य परिवार के अभिन्न साथी प्राचार्य पं. वैभव शर्मा ने बताया कि बच्चों की लगन और कडी मेहनत का ही परिणाम है कि बच्चे अच्छे अंक लाकर संस्था एवं अपने परिवार का नाम रोशन कर रहे हैं। समस्त उत्तीर्ण हुए छात्र-छात्राओं को वात्सल्य परिवार की और से बधाई एवं शुभकामनाएं।

ग्राम जनकपुर में दो दिवसीय मेला का आयोजन

बरेली (नि.प्र.) तहसील के ग्राम जनकपुर मिर्जापुर मे हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी चैत्र नवरात्र में दो दिवसीय मेला आयोजन 29 से 30 मार्च तक किया जाएगा जिसके उपलक्ष्य में मां हरसिद्धि माता मंदिर में जवारे विसर्जन, राई नृत्य कार्यक्रम और दो दिन मेला कार्यक्रम हो रहा है। सभी धर्मप्रेमियों एवं इष्ट मित्रों से अनुरोध किया गया है कि मेला में शामिल होकर धर्म लाभ अर्जित करें। मेले का आयोजन सभी ग्राम वासियों के सहयोग से एवं मातारानी की कृपा से हो रहा है।

बरेली विद्या मंदिर स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा अव्वल

बरेली (नि.प्र.)

विगत वर्षों से बरेली नगर की अग्रणी शैक्षणिक संस्था बरेली विद्या मंदिर के विद्यार्थियों ने इस वर्ष परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। कक्षा 5वीं और 8वीं के छात्रों ने अधिक से अधिक अंक प्राप्त कर शहर में अपना स्थान बनाया। जिससे विद्यालय में खुशी और गर्व का माहौल है।

जिसमें कक्षा 8वीं के छात्रों में नव्या गुप्ता ने 80 प्रतिशत, नंदनी ठाकुर 76.6 प्रतिशत, शिवांश पटेल 74.5प्रतिशत , राहुल पाल 73.16प्रतिशत, कृष्णा तिवारी 70.83प्रतिशत, कुमकुम धाकड़ 70.83प्रतिशत , डॉली धाकड़ 70.66प्रतिशत और धैर्य मालवीय 70प्रतिशत एवं कक्षा 5वीं की छात्राओं अनन्या बिलथरिया 76.75प्रतिशत, मानसी राय 74.5प्रतिशत और रिजा रहमान 68प्रतिशत अंक प्राप्त कर अच्छा प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त अन्य छात्रों ने भी प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की है। विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत और लगन का परिचय दिया इसके उपलक्ष्य में बारना आंचल विकास समिति के सदस्यों, प्रधान अध्यापक एवं शिक्षकों के द्वारा छात्रों का उत्साह बढ़ाया एवं उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

आज राम नवमी पर भगवान श्रीराम की निकलेगी भव्य शोभायात्रा, नगर में आस्था-संस्कृति का दिखेगा संगम

बरेली (नि.प्र.)

राम नवमीं पर नरसिंह हिंदू संगठन द्वारा राम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। लगातार पांचवें वर्ष आयोजित हो रहे इस उत्सव को लेकर शहर में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। राम जन्मोत्सव को लेकर बुधवार को प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। जिसमें शोभायात्रा में शामिल हो रही झांकियों की जानकारी दी। वार्ता को संबोधित करते हुए संगठन के सदस्यों ने बताया कि राम नवमीं पर शुक्रवार दोपहर 12 बजे नरसिंह मंदिर में भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया जाएगा, जिसके बाद शाम 4 बजे से शोभायात्रा निकाली जाएगी। संगठन के सदस्यों ने बताया कि यात्रा में सबसे आगे धर्म ध्वज लेकर भक्तजन चलेंगे। इसके बाद स्थानीय कलाकार नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां देंगे। इसके अलावा यात्रा में देश के विभिन्न हिस्सों की झांकियां शामिल की जाएंगी जिनमें काशी का अघोरी नृत्य, दिल्ली की बेल बारात, कोलकाता की महाकाली झांकी, पंजाब का निहंग अखाड़ा, वृंदावन की महारास लीला, हरियाणा की बाहुबली हनुमान झांकी और दक्षिण भारत की झांकी शामिल रहेंगी।

महिला समूह की झांकी आकर्षण का केंद्र रहेगी। यात्रा में अयोध्या मंदिर की झांकी के साथ पालकी में राम दरबार विराजमान रहेंगे। शोभायात्रा नरसिंह मंदिर से प्रारंभ होकर पुलिस थाने के पीछे सब्जी मंडी चौराहा, स्टेशन रोड, गांधी चौराहा, ललुआ भाई चौराहा होते हुए कच्चा रोड से वापस मंदिर परिसर में संपन्न होगी। आयोजन को लेकर पूरे शहर में सजावट की जा रही है और मंदिर को सुंदर सजाया गया है।

श्री रामनवमी महामहोत्सव पर निकलेगी शोभायात्रा 11 आचार्य विद्वान पंडितों द्वारा कराया जाएगा पूजन

बरेली (नि.प्र.) उत्सव समिति सागर के तत्वावधान में श्रीराम नवमी महा महोत्सव पर पालकी एवं शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो कि श्री सिद्धेश्वर मंदिर चंपाबाग से 27 मार्च शाम 4 बजे से प्रारंभ होगी। समिति संरक्षक डॉ अनिल तिवारी व आचार्य पंडित यशोवर्धन चौबे ने बताया कि दोपहर 12 बजे 11 आचार्य विद्वान पंडितों द्वारा पूरे विधि विधान से पूजन पाठ कर महाप्रभु श्रीराम चंद्र जी का जन्म उत्सव मनाया जाएगा। शाम 4 बजे भगवान राम को पालकी में विराजमान कर चल समारोह प्रारंभ होगा। शाम 7 बजे तीनबत्ती पहुंचेगा, यहां श्री हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया जाएगा। आयोजन समिति ने बताया कि शोभायात्रा में भगवान राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, हनुमान जी की झांकी शामिल होगी। साथ ही अखाड़ा, भजन मंडली, डमरू दल, घोड़े आदि भी शामिल होंगे। शोभायात्रा के स्वागत में तीन बत्ती पर आतिशबाजी एवं महाआरती की जावेगी। सभी धर्मप्रेमी जनों से इस शोभायात्रा चल समारोह में सम्मिलित होने की अपील की गई है।

सर्वोदय स्कूल के विद्यार्थियों ने लहराया सफलता का परचम

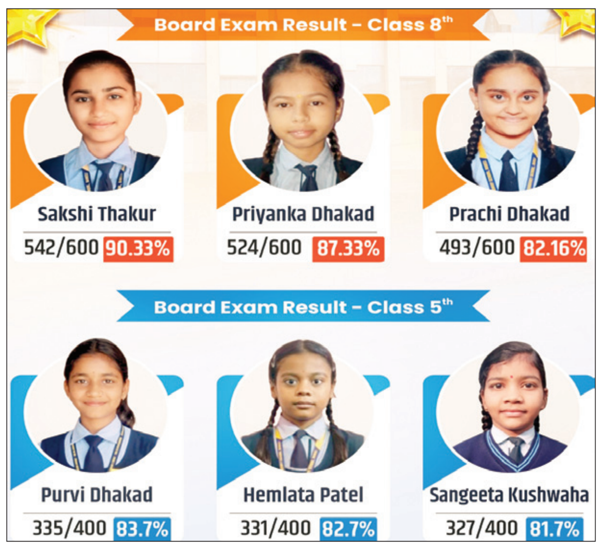

बरेली (नि.प्र.)

नगर बरेली की अग्रणी शैक्षणिक संस्था सर्वोदय हायर सेकंडरी स्कूल के कक्षा पांचवी और आठवीं के विद्यार्थियों ने वार्षिक परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करके सफलता का परचम लहराया सर्वोदय विद्यालय के पांचवी और आठवीं के सभी छात्र-छात्राओं ने बोर्ड परीक्षा में सत प्रतिशत सफलता प्राप्त की। आठवीं कक्षा की छात्रा कुमारी साक्षी ठाकुर ने 90.33 प्रतिशत अंक प्राप्त करके नगर बरेली में स्थान प्राप्त किया। छात्रा साक्षी ठाकुर की इस उपलब्धि के लिए विद्यालय परिवार प्रसन्नता और गौरव का अनुभव करते हुए बधाई प्रेषित करता है एवं सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करता है। स्कूल के प्राचार्य संचालक ठाकुर राघवेन्द्र सिंह राजपूत ने बताया कि बच्चों की कडी मेहनत, लगनशीलता की वजह से अच्छे अंक लाकर उन्होंने संस्था का नाम रोशन किया है, साथ ही अपने माता पिता का नाम भी रोशन किया है, हमारी संस्था की तरफ से सभी उत्कृष्ट अंक लाने वाले सभी बेटा-बेटियों को बधाई शुभकामनाएं देते हैं।

नवरात्र: मातारानी के जस और भजनों से गूंज रहा नगर, कल होंगे जवारे विसर्जन

बरेली (नि.प्र.)

हिन्दु नव वर्ष के पहले दिन से ही चैत्र नवरात्र के प्रारंभ हो जाती है, जिससे संपूर्ण देश में मां भगवती (शक्ति) की आराधना नौ दिन तक चलती है और भक्त अपनी आराधना अपने अपने तरीके से करते हैं, प्रातःकाल से ही माताजी का जलाभिषेक, तो कहीं पैदल मातारानी के स्थानों की यात्रा, कहीं सरें भरते हुए, कहीं मां दुर्गा सप्तशती का पाठ, ज्योति जलाकर आराधना और इनसे भी कठिन ज्यारे रखकर नौ दिन तक मातारानी की सेवा करना। नगर सहित क्षेत्र के लगभग सभी गांवों में चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व में जवारे के साथ अखंड ज्योति और मां दुर्गा सप्तशती का नौ दिन तक नियम, संयम, आस्था के साथ सेवा की जा रही है। नगर के शक्तिनगर में स्थित राजेश कुशवाहा की जवारे आराधना और माता की सेवा देखते ही बनती है जहां माताओं बहनों के द्वारा प्रातःकाल से लेकर देर रात तक भजन, जस चलते रहते हैं, जहां देवी देवता भी पंडा के आह्वान पर आते हैं जो लोगों की समस्याएं सुनते हैं। राजेश जी ने बताया कि माताजी की जवारे की आराधना कठिन है, दिन रात ज्योति का ध्यान रखना, साफ सफाई और भजन पूजन को नियम से करना होता है लेकिन सच्चे मन से करने पर अत्यंत आनंद और शान्ति प्राप्त होती है। कल जवारे की विसर्जन होगा जो पूजना के बाद सर पर खप्परों में जवारे रखकर नदी पर जाकर विसर्जन किया जायेगा।

भटकते हुए रेलवे स्टेशन पहुंचा हिरण कुत्तों के हमले में घायल

बरेली (नि.प्र.) रेलवे स्टेशन के पार्सल कार्यालय के पास गुरुवार को कुत्तों ने एक हिरण पर हमला कर दिया जिससे वह घायल हो गया। सूचना मिलने पर आरपीएफ , वन विभाग और गौ सेवा दल के सदस्य मौके पर पहुंचे। घायल हिरण को पकड़कर इलाज के बाद वन विभाग को सौंप दिया गया। जानकारी के अनुसार बीना जंक्शन के पार्सल कार्यालय के पास एक घायल हिरण घूम रहा था। आरपीएफके एसआई अशोक यादव और आरक्षक पंकज ने हिरण की हालत देखी और तत्काल वन विभाग, गौ सेवा दल और डायल 112 को सूचित किया। करीब एक घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद हिरण को सुरक्षित पकड़ा जा सका।

इसके बाद गौ सेवा दल के सदस्यों ने मौके पर ही हिरण का प्राथमिक उपचार किया। उपचार के बाद उसे वन विभाग के सुपुर्द कर दिया गया। स्थानीय लोग इस बात को लेकर कयास लगा रहे हैं कि आखिर हिरण रेलवे स्टेशन के पास आबादी वाले क्षेत्र में कैसे पहुंचा।

मांग किसानों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

निराकरण नहीं हुआ तो होगा आंदोलन

बरेली (नि.प्र.)

किसान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान के आह्वान पर एवं जिला अध्यक्ष रणजीत सिंह रघुवंशी के निर्देशानुसार गुरुवार को ब्लॉक किसान कांग्रेस बरेली द्वारा किसानों की समस्याओं को लेकर एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें समर्थन मूल्य पर खरीदी, बिजली गैस आदि समस्याओं के संबंध में विस्तृत चर्चा, ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन को अवगत कराया गया।

ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से वरिष्ठ नेता भूपेन्द्र चौधरी, ब्लाक कॉग्रेस के अध्यक्ष कौशलेन्द्र सिंह चौधरी, जिला संयोजक जितेंद्र सिंह रघुवंशी, ब्लॉक अध्यक्ष किसान कांग्रेस पंडित शरद उपाध्याय, नगर अध्यक्ष नीलेश शर्मा, पार्षद अफजल अली, राजीव ठाकुर , मोहम्मद ओवैस खान, इदरीश हयात, नियमित मंसूरी, राजेश राजपूत, दुर्गेश ठाकुर, आलोक सिंह रघुवंशी, प्रियांशु पलिया सहित सैकड़ों की तादाद में कार्यकर्ता शामिल रहे। अनुविभागीय अधिकारी को किसानों की समस्याओं से किसान कांग्रेस के अध्यक्ष शरद उपाध्याय ने ज्ञापन के माध्यम से विस्तार से बताया। साथ ही कांग्रेस नेताओं ने कहा कि एक सप्ताह के अंदर किसानों की समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो वरिष्ठ नेताओं के साथ बड़ा आंदोलन किया जायेगा।

इनका कहना है

हमारा अन्नदाता परेशान है, हमेशा लाइन में लगा रहता है, कहीं डीएपी के लिए, यूरिया के लिए, इस समय इन समस्याओं के अतिरिक्त गैस की लाईन में लगा हुआ है, सरकार की गलत नीति की वजह से हमारा अन्नदाता परेशान है हमारी समस्त समस्त किसान भाईयों की तरफ से मांग है कि किसान को मूंग फसल के लिए पर्याप्त मात्रा में डीएपी यूरिया के साथ डीजल भी उपलब्ध हो, आम जन के लिए समय सीमा में गैस भी उपलब्ध कराई जाए अगर इन सभी समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो बड़ा आंदोलन किया जायेगा।

कांग्रेस नेता भूपेन्द्र सिंह चौधरी

तारा-तारिणी मंदिर :सोई किस्मत भी जाग जाती है

उड़ीसा में तारा-तारिणी मंदिर में कहते हैं सोई किस्मत भी जाग जाती है। बहरामपुर से लगभग 30 किमी दूर कुमारी पहाड़ पर ऋषिकुल्या नदी के किनारे, एक छोटी पहाड़ी पर, जुड़वां देवियों तारा और तारिणी का मंदिर स्थित है। पौराणिक कथाओं की मानें तो कहा जाता है कि यहां मां सती के स्तन गिरे थे, जिसके बाद यहां मां तारा और तारिणी की स्थापना हुई। इस मंदिर की गिनती देश के चार बड़े आदि शक्ति पीठों और तंत्र पीठों में होती है। स्थानीय मान्यता है कि अगर आप शत्रुओं से परेशान हैं या किसी तंत्र के प्रभाव में हैं, तो यहां आकर विशेष अनुष्ठान करने से सारी परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

तारा-तारिणी मंदिर सिर्फ हिंदुओं की आस्था का प्रतीक नहीं है, माना जाता है कि बौद्ध धर्म के लोग मां तारा को अपनी देवी मानते हैं और मंदिर के निर्माण में उनकी भी सहभागिता रही थी। इसी कारण है कि मां तारा को बौद्ध तारा के नाम भी जाना जाता है।

मंदिर के स्थापत्य की बात करें तो मंदिर का मुख्य द्वार देखने में काफी रंगीन है, जिस पर पारंपरिक रेखा शैली से जीवंत दिखने वाली प्रतिमाओं को उकेरा गया है। मंदिर में नक्काशीदार पैनल लगे हैं। मुख्य गर्भगृह में दो पत्थर से बनी प्रतिमाएं हैं जिन्हें मां तारा और तारिणी के रूप में पूजा जाता है। मां की प्रतिमा हमेशा गहनों से लदी रहती है और हर दिन उनका भव्य श्रृंगार किया जाता है।

अंगूठा बता देता है आपके अंदर का राज

सभी को भविष्य में क्या छिपा है यह राज जानने की जिज्ञासा होती है। जन्मकुंडली के साथ ही हाथ की रेखाएं देखकर भी भविष्य के राज जाने जा सकते हैं। हस्तरेखा विज्ञान में अंगूठे को चरित्र का आइना कहा जाता है। आप इसे देखकर व्यक्ति के बारे में कई गुप्त बातें जान सकते हैं। व्यक्ति की आर्थिक स्थिति, बचत, काम वासना और रोगों का पता भी अंगूठे से लग जाता है।

अंगूठा लंबा

जिनका अंगूठा लंबा होता है वह बुद्धिमान और उदार होते हैं। ऐसे व्यक्ति शौकीन भी खूब होते हैं। अगर अंगूठा तर्जनी उंगली के दूसरे पोर तक पहुंच रहा है तो व्यक्ति नेक होता है और कभी किसी को नुकसान नहीं पहुंचाता।

अंगूठा छोटा

अंगूठा छोटा होना अच्छा नहीं माना जाता। ऐसे लोगों के उधार और कर्ज देने से बचना चाहिए क्योंकि पैसा डूबने का डर रहता है। इन्हें जीवन में कई बार हानि उठानी पड़ती और पारिवारिक जीवन में भी उथल-पुथल मचा रहता है।

अंगूठा अधिक चौड़ा

अगर अंगूठा अधिक चौड़ा हो तो व्यक्ति खर्चीले स्वभाव का होता है। ऐसे लोग अक्सर कोई न कोई बुरी लत अपना लेते हैं।

कम खुलने वाला अंगूठा

कम खुलने वाला अंगूठा हस्तरेखा विज्ञान में अच्छा नहीं माना गया है। ऐसे लोगों के हर काम में बाधा आती रहती है और सफलता देर से मिलती है। ऐसे लोग चाहकर भी कमाई के अनुसार बचत नहीं कर पाते हैं।

ऊपर मोटा और गोल हो तो

अगर अंगूठा नीचे पतला और ऊपर मोटा और गोल हो तो ऐसा व्यक्ति शंकालु होते और इन्हे भी अपने काम में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन हाथ भारी हो तो उन्नति करते हैं।

अंगूठा हो लंबा पतला तो

अंगूठा पतला और लंबा हो तो व्यक्ति शांत स्वभाव का होता है। ऐसे व्यक्ति अपने काम वासना पर नियंत्रण रखने में कुशल होते हैं। इन्हें व्यवहारकुशल भी माना जाता है। ऐसे लोग भावुक भी खूब होते हैं।

ऐसे लोग धनी होते हैं

जिनका अंगूठा ज्यादा खुलता है ऐसे लोग धनी होते हैं। अपने व्यक्तित्व के कारण इन्हें समाज में खूब सम्मान मिलता है।

करणी माता मंदिर: यहां 25,000 से ज्यादा हैं चूहे

बीकानेर में स्थित करणी माता मंदिर एक ऐसा मंदिर है जहां हजारों चूहे खुलेआम घूमते हैं और इन्हीं चूहों का जूठा प्रसाद सबसे पवित्र माना जाता है। मंदिर के अंदर करीब 25 हजार से ज्यादा चूहे रहते हैं, जिन्हें स्थानीय लोग प्यार से काबा कहते हैं। ये चूहे मंदिर के फर्श, दीवारों और हर कोने में आराम से घूमते नजर आते हैं। कई बार तो ये भक्तों के पैरों के ऊपर से भी गुजर जाते हैं। मान्यता है कि अगर कोई चूहा आपके पैर के ऊपर से गुजर जाए, तो इसे बहुत शुभ संकेत माना जाता है। इस मंदिर में आने वाले श्रद्धालु दूध, मिठाई और अनाज चूहों को खिलाते हैं। खास बात यह है कि जब चूहे इन चीजों को खा लेते हैं, तो वही बचा हुआ भोजन भक्त प्रसाद के रूप में भी ले जाते हैं। लोगों का विश्वास है कि इस प्रसाद को खाने से देवी की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। इस मंदिर की कहानी भी बेहद रोचक है।

मान्यता के अनुसार, करणी माता को देवी दुर्गा का अवतार माना जाता है। कहा जाता है कि एक बार उनके सौतेले बेटे लक्ष्मण की पानी में डूबने से मृत्यु हो गई। तब करणी माता ने मृत्यु के देवता यमराज से प्रार्थना की कि उनके बेटे को वापस जीवित कर दिया जाए। पहले तो यमराज ने मना कर दिया, लेकिन करणी माता की भक्ति और इच्छाशक्ति से प्रभावित होकर उन्होंने लक्ष्मण समेत सभी नर बच्चों को चूहे के रूप में पुनर्जन्म दे दिया, तभी से यह माना जाता है कि इस मंदिर में रहने वाले चूहे करणी माता के वंशजों के ही रूप हैं ।मंदिर से जुड़ी एक और मान्यता है कि यहां अगर आपको सफेद चूहा दिख जाए तो इसे बहुत शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि सफेद चूहे खुद करणी माता और उनके बेटों का प्रतीक हैं। इसलिए भक्त उन्हें देखने की बड़ी कोशिश करते हैं। इस भव्य मंदिर का निर्माण बीकानेर के राजा महाराजा गंगा सिंह ने 20वीं सदी की शुरुआत में करवाया था। मंदिर संगमरमर से बना हुआ है और इसके दरवाजे चांदी के बने हैं, जिन पर देवी से जुड़ी कहानियों की सुंदर नक्काशी की गई है।

-माना जाता है कि मंदिर में 25,000 से ज्यादा चूहे हैं, जिन्हें 'कब्बा' के नाम से भी जाना जाता है। इस मंदिर में मिलने वाले प्रसाद का भोग भी चूहों को लगाया जाता है। जो प्रसाद आंशिक रूप से चूहों ने खा लिया हो उसे पवित्र माना जाता है।

-करणी माता मंदिर में हजारों चूहों को लेकर कहा जाता है कि ये चूहे सैनिक थे, जो युद्ध के मैदान को छोड़कर भाग गए थे, ऐसे में उन्हें सजा के रूप में मौत का सामना करना पड़ा, लेकिन करणी माता की कृपा के कारण उन्हें बचा लिया गया और वे मंदिर में चूहों के रूप में रहने लगे।

-मंदिर में हजारों काले चूहों के बीच एक सफेद चूहे का दिखना शुभ माना जाता है, ऐसा माना जाता है कि सफेद चूहा स्वयं करणी माता का स्वरूप है, और भाग्यशाली वह व्यक्ति है जिसे मंदिर में सफेद चूहा दिखाई देता है।

-मंदिर परिसर में हजारों चूहें हैं, ऐसे में अगर एक भी चूहा गलती से मर जाता है, तो कहा जाता है कि उसके बदले ठोस सोने से बना उसी आकार का चूहा रख देना चाहिए।

करणी माता मंदिर का इतिहास और वास्तुकला

करणी माता मंदिर की वास्तुकला मुगल शैलीयह मंदिर अपने नाम के अनुरूप ही आकर्षक, जिज्ञासु और मनमोहक है। इसमें संगमरमर की नक्काशी और चांदी के दरवाजे हैं। कई लोगों का दावा है कि गुरुवार को यहां करणी माता का प्रकाश हुआ था। चैत्र शुक्ल नवमी, 1595. इसके समर्पण के बाद से, यहाँ करणी माता की पूजा की जाती है। बीकानेर और उसके आस-पास के क्षेत्रों के लोगों का मानना ??है कि करणी माता देवी दुर्गा का अवतार हैं।

करणी माता एक महिला योद्धा थीं चारण जाति की, उनका बचपन का नाम रिघुबाई था। विवाह के बाद, माता ने सांसारिक मोह-माया से विमुख होकर स्वयं को तप और जनसेवा में समर्पित कर दिया। ऐतिहासिक रूप से, माता का जन्म 1387 एडी और लगभग 100 वर्षों तक जीवित रहे 150 साल.

करणी माता मंदिर का इतिहास निश्चित रूप से सत्यापित नहीं है; मंदिर के बारे में कई पारंपरिक विवरण बताए और सुनाए जाते हैं। कुछ लोग कहते हैं कि राजा जय सिंह ने इसे बनवाया था, जबकि अन्य कहते हैं महाराजा गंगा सिंह इसे बनाया गया; यह व्यापक रूप से माना जाता है कि उन्होंने इसे राजपूत शैली के रूप में बनाया था 15वीं से 20वीं शताब्दी.

बीकानेर में करणी माता मंदिर का महत्व

करणी माता मंदिर अपने समृद्ध इतिहास और सांस्कृतिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। बीकानेर स्थित यह मंदिर चूहों के साथ अपने अनोखे रिश्ते के लिए भी जाना जाता है। जैसा कि पहले कहा गया है, यह मंदिर करणी माता को समर्पित है, जो एक पूजनीय व्यक्ति हैं और माना जाता है कि वे भगवान शिव का अवतार हैं। माँ दुर्गा. इस मंदिर के सुंदर इतिहास और धार्मिक महत्व के कारण हर साल हजारों तीर्थयात्री यहां आते हैं।

करणी माता मंदिर आश्रय स्थल हजारों काले और भूरे चूहेये चूहे मंदिर के परिसर में रहते हैं और अपनी इच्छानुसार इधर-उधर घूमते रहते हैं। इन चूहों को 'काबा' कहा जाता है और इन्हें करणी माता की संतान कहा जाता है। मंदिर में इन चूहों को किसी भी प्रकार का नुकसान पहुँचाना घोर पाप माना जाता है। यहां तक ??कि भक्तों को भी अपने पैरों को घसीटते हुए चलने की सलाह दी जाती है, ताकि अनजाने में भी किसी चूहे को चोट न लगे। मंदिर में कुछ सफेद चूहे भी दिखाई देते हैं, जिनका दर्शन अत्यंत शुभ माना जाता है।

ऐसा माना जाता है कि सफेद चूहे करणी माता और उनके पुत्र का प्रतीक हैं। चूहों के बचे हुए प्रसाद से जुड़ी एक और अनोखी परंपरा मंदिर में है। मंदिर में देवी को चढ़ाया गया भोजन सबसे पहले चूहों को दिया जाता है, तथा बचा हुआ प्रसाद भक्तों को दे दिया जाता है।

आश्चर्य की बात है कि इस प्रसाद को खाने के बाद किसी के भी बीमार होने की कोई खबर नहीं है! भक्तजन इस प्रसाद को देवी का आशीर्वाद मानकर अत्यंत श्रद्धा से ग्रहण करते हैं।

अगर आपके भी बेडरूम में रखी हैं ये चीजें तो तुरंत बाहर करें, सेहत और रिश्तों को करता है कमजोर

वास्तु मान्यताओं के अनुसार अगर बेडरूम में कुछ गलत या अनुपयुक्त चीजें रख दी जाएं, तो इससे नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है। आइए जानते हैं वास्तु शास्त्र के अनुसार बेडरूम में किन चीजों को रखने से बचना चाहिए।

वास्तु शास्त्र में घर की बनावट, दिशा और वस्तुओं को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि घर में मौजूद हर चीज वहां की ऊर्जा को प्रभावित करती है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार अगर बेडरूम में कुछ गलत या अनुपयुक्त चीजें रख दी जाएं, तो इससे नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है। इसका असर व्यक्ति की नींद, मानसिक स्थिति और परिवार के माहौल पर भी पड़ सकता है। कई बार बेडरूम में रखी छोटी-छोटी चीजें भी तनाव का कारण बन जाती हैं। इसलिए यह जरूरी है कि कमरे में केवल वही चीजें रखें जो सकारात्मकता और शांति का वातावरण बनाएं। आइए जानते हैं वास्तु शास्त्र के अनुसार बेडरूम में किन चीजों को रखने से बचना चाहिए।

अत्यधिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण

वास्तु शास्त्र के अनुसार बेडरूम में जरूरत से ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण रखना उचित नहीं माना जाता। जैसे टीवी, कंप्यूटर, लैपटॉप या अन्य गैजेट्स। माना जाता है कि इनसे निकलने वाली तरंगें व्यक्ति की नींद और मानसिक शांति को प्रभावित कर सकती हैं।

टूटी या खराब वस्तुएं

बेडरूम में टूटी हुई घड़ी, खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान या टूटे हुए फर्नीचर रखना भी शुभ नहीं माना जाता। वास्तु शास्त्र के अनुसार ऐसी चीजें नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं और घर के वातावरण पर असर डाल सकती हैं।

कांटेदार पौधे

वास्तु के अनुसार कैक्टस जैसे कांटेदार पौधों को बेडरूम में नहीं रखना चाहिए। माना जाता है कि ऐसे पौधे घर में तनाव और नकारात्मकता को बढ़ा सकते हैं। खासकर पति-पत्नी के रिश्तों में भी इसका असर पड़ सकता है। अगर आप कमरे में पौधे रखना चाहते हैं, तो ऐसे पौधों का चयन करें जो सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माने जाते हैं।

देवी-देवताओं की तस्वीरें या मूर्तियां

कई लोग बेडरूम में देवी-देवताओं की तस्वीर या मूर्ति लगा देते हैं। हालांकि वास्तु शास्त्र के अनुसार ऐसा करना सही नहीं माना जाता। पूजा-पाठ के लिए घर में अलग स्थान होना चाहिए। बेडरूम को विश्राम और निजी जीवन का स्थान माना जाता है, इसलिए ऐसा करने से बचें।

2026-27 के व्यस्त सीजन में बेंगलुरु में इंटरनेशनल क्रिकेट की वापसी

मुंबई (वार्ता)।

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम वर्ष 2026-27 में घरेलू मैदान पर चार देशों के खिलाफ 17 जगहों पर 22 अंतरराष्ट्रीय मैच खलेंगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को बताया कि भारतीय पुरुष टीम आगामी 2026-27 सीजन में अपने घरेलू मैदानों पर 17 जगहों पर 22 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। भारत के 2026-27 होम सीज़न का कैलेंडर जारी हो गया है, जिसमें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफ़ी के पांचों टेस्ट नागपुर, चेन्नई, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। टीम इंडिया का यह साल काफ़ी वयस्त रहने वाला है। चार देशों की टीमें द्विपक्षीय सीरीज़ खेलने भारत पहुंच रही हैं। दौरे का आगाज़ वेस्टइंडीज़ (27 सितंबर-17 अक्तूबर) से होगा, जिसके बाद श्रीलंका (13-27 दिसंबर), ज़िम्बाब्वे (3-9 जनवरी) और आखि़र में ऑस्ट्रेलिया (21 जनवरी-7 मार्च) की चुनौती होगी।

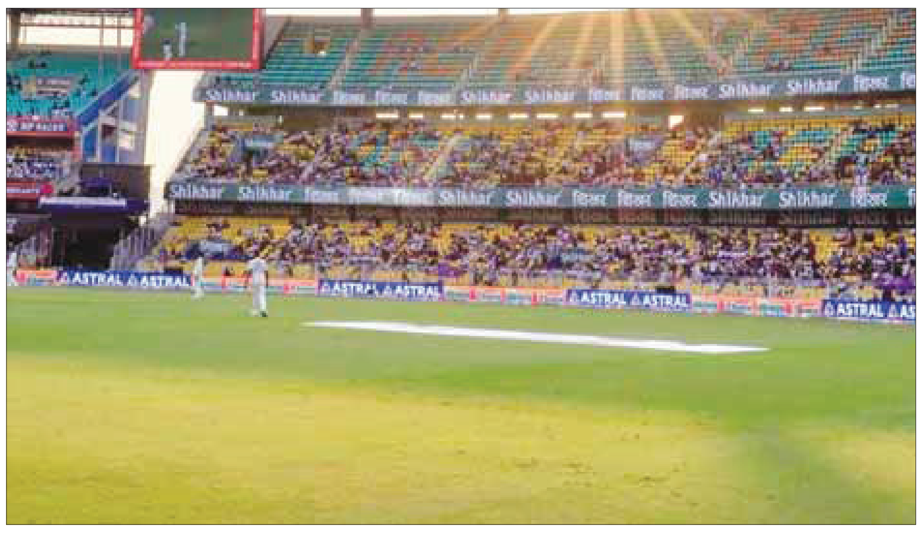

ज़िम्बाब्वे पूरे 24 साल बाद भारत की सरज़मीं पर-ख़ास बात यह है कि ज़िम्बाब्वे की टीम पूरे 24 साल बाद भारत की सरज़मीं पर कोई द्विपक्षीय सीरीज़ खेलने उतरेगी। इसके अलावा, बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में भी फिर से इंटरनेशनल क्रिकेट की रौनक लौटेगी।

पिछले साल जून में यहां मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद से यहां कोई बड़ा मैच नहीं हुआ। अब 17 अक्तूबर को कैरेबियाई टीम और 16 दिसंबर को श्रीलंकाई टीम के खिलाफ होने वाले मैचों से इस मैदान की वापसी होगी।

दिल्ली में होने वाला वन-डे भी सुर्खियों में -बेंगलुरु के साथ-साथ गुवाहाटी, हैदराबाद, रांची और अहमदाबाद को इस सीज़न में दो-दो मैचों की मेजबानी मिली है। गुवाहाटी का मैदान पिछले साल नवंबर में अपना पहला टेस्ट आयोजित करने के बाद अब लगातार दूसरे साल लाल गेंद के क्रिकेट की मेज़बानी के लिए तैयार है। दिल्ली में 13 दिसंबर को होने वाला वनडे भी सुर्ख़ियों में है। सर्दियों में यहां स्मॉग और प्रदूषण की समस्या खिलाड़ियों के लिए मुश्किल खड़ी करती रही है, जैसा 2017 में श्रीलंका के खिलाफ मैच में देखा गया था। यही वजह है कि बोर्ड ने पिछले साल की तरह इस बार भी शेड्यूल में अदला-बदली की है ताकि दिल्ली में दिवाली के प्रदूषण के समय मैच न हो। दूसरी ओर कोलकाता और मुंबई के ऐतिहासिक मैदानों पर ज़िम्बाब्वे के खिलाफ वनडे मुक़ाबले खेले जाएंगे।

भारत का 2026-27 घरेलू कार्यक्रम

वेस्टइंडीज़ के खिलाफ तीन वनडे: तिरुवनंतपुरम (27 सितंबर), गुवाहाटी (30 सितंबर), न्यू चंडीगढ़ (3 अक्टूबर)

वेस्टइंडीज़ के खिलाफ पांच टी20: लखनऊ (6 अक्टूबर), रांची (9 अक्टूबर), इंदौर (11 अक्टूबर), हैदराबाद (14 अक्टूबर), बेंगलुरु (17 अक्टूबर)

श्रीलंका के खिलाफ तीन वनड: दिल्ली (13 दिसंबर), बेंगलुरु (16 दिसंबर), अहमदाबाद (19 दिसंबर)

श्रीलंका के खिलाफ तीन टी20: राजकोट (22 दिसंबर), कटक (24 दिसंबर), पुणे (27 दिसंबर)

ज़िम्बाब्वे के खिलाफ तीन वनड: कोलकाता (3 जनवरी), हैदराबाद (6 जनवरी), मुंबई (9 जनवरी)

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट: नागपुर (21-25 जनवरी), चेन्नई (29 जनवरी-2 फ़रवरी), गुवाहाटी (11-15 फ़रवरी), रांची (19-23 फ़रवरी), अहमदाबाद (3-7 मार्च)

सीएसके और एमआई दूसरे चरण में एक-दूसरे से दो बार खेलेंगे

मुंबई (वार्ता)। पांच बार की दो चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस आईपीएल 2026 के दूसरे चरण में दो बार आमने-सामने होंगी, जो 13 अप्रैल से शुरू होगा। एसआरएच और आरआर इस फेज़ की शुरुआत हैदराबाद में करेंगे, जबकि आईपीएल की दो बड़ी टीमें सीएसके और एमआई 23 अप्रैल को मुंबई में और 2 मई को चेन्नई में भिड़ेंगी। टूर्नामेंट के इस फेज में आठ डबल-हेडर होंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आज टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के दूसरे फेज का शेड्यूल अनाउंस किया। बाकी लीग स्टेज, जिसमें 50 मैच हैं, 13 अप्रैल से 24 मई तक भारत में 12 जगहों पर खेले जाएंगे। दूसरे फेज के मैच बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, जयपुर, धर्मशाला, रायपुर और न्यू चंडीगढ़ में होंगे। जैसे ही टूर्नामेंट एक अहम फेज में आ रहा है, टीमें प्लेऑफ़ में जगह बनाने के लिए अलग-अलग जगहों पर मुकाबला करेंगी, और लीग स्टेज के दूसरे हिस्से में यह रेस और तेज होने की उम्मीद है। 13 अप्रैल, 2026 को एक्शन फिर से शुरू होगा, जिसमें हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा, जिससे रोमांचक मैचों का माहौल बनेगा। फैंस टूर्नामेंट के एक रोमांचक फेज़ की उम्मीद कर सकते हैं क्योंकि लीग स्टेज के आखिरी हफ़्तों से पहले टीमें जगह बनाने के लिए मुकाबला करेंगी। दूसरे फेज़ में आठ डबल-हेडर होंगे, जिसमें दोपहर के मैच 03:30 बजे से और शाम के मैच 07:30 बजे से शुरू होंगे।

पंजाब किंग्स अपने होम मैच न्यू चंडीगढ़ और धर्मशाला में खेलेगी, जिसमें इस फेज के दौरान धर्मशाला में तीन मैच शामिल हैं। राजस्थान रॉयल्स जयपुर में चार होम गेम होस्ट करेगी, जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बेंगलुरु में तीन और रायपुर में दो होम मैच खेलेगी।प्लेऑफ़ के वेन्यू की घोषणा बाद में की जाएगी।

कर्नाटक के तैराक मणिकांत एल ने जीता तीसरा स्वर्ण पदक

रायपुर (वार्ता)। कर्नाटक के मणिकांत एल ने गुरुवार को यहां खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के दूसरे दिन 200 मी. तैराकी स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना लगातार तीसरा स्वर्ण जीता, जबकि ओडिशा की अंजली मुंडा ने महिलाओं की स्पर्धा में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। आज यहां मेजबान छत्तीसगढ़ की एथलीट अनुष्का भगत ने महिलाओं की 200 मी. इंडिविजुअल मेडले रेस में दूसरा स्थान हासिल करके अपने पदकों की सूची में एक और रजत पदक जोड़ा। मणिकांत ने अपना दबदबा बनाए रखा और 200मी. इंडिविजुअल मेडले रेस 2:25.93 के समय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। त्रिपुरा के रियाज त्रिपुरा 2:34.04 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि कान्हू सोरेन (ओडिशा) ने 2:36.21 के समय के साथ कांस्य पदक जीता। अंजली ने महिलाओं की 200मी. इंडिविजुअल मेडले रेस 2:53.82 के समय में जीतकर स्वर्ण अपने नाम किया।

सुनीत चौरसिया ने जीती अल्फा स्पोर्ट्स एकेडमी गोल्फ चैंपियनशिप

पटना (वार्ता)। सुनीत चौरसिया ने चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद वापसी की घोषणा की और 2026 डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई नेक्सजेन सीजन के चौथे इवेंट, अल्फा स्पोर्ट्स एकेडमी गोल्फ चैंपियनशिप में कड़ी मेहनत से एक शॉट से जीत हासिल की। इस 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि वाली चैम्पियनशिप का आयोजन पटना गोल्फ क्लब ने किया था। कोलकाता के सुनीत चौरसिया (71-65-73), जो महान एसएसपी चौरसिया के भतीजे हैं, जो रात भर तीन शॉट से आगे थे, ने तीसरे और आखिरी राउंड में लगातार 73 का स्कोर बनाकर अपना पहला खिताब जीता, क्योंकि उन्होंने इस हफ्ते कुल सात-अंडर 209 का स्कोर किया।

इकतीस साल के सुनीत को इस जीत से 3,17,875 रुपये का प्राइज मनी चेक मिला, जिससे वह 2026 डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई नेक्सजेन ऑर्डर ऑफ़ मेरिट में 41वें नंबर से छठे नंबर पर आ गए। बिपिन मुखिया (68-75-67) ने पिछले दिन का बेस्ट स्कोर 67 बनाया, जिससे उन्हें चार स्पॉट का फायदा हुआ और वह सिक्स-अंडर 210 के साथ रनर-अप रहे। बिपिन के दूसरे नंबर पर रहने से उन्हें 2,67,875 रुपये का चेक मिला, जिससे वह नेक्सजेन मेरिट लिस्ट में सातवें से पहले नंबर पर आ गए, क्योंकि उनके इस सीज़न की कमाई 5,28,688 रुपये हो गई। दिवेश राणा (68), विनय कुमार यादव (72) और राजेश कुमार गौतम (74) ने तीन-अंडर 213 के साथ संयुक्त तीसरा स्थान हासिल किया। पटना के प्रोफेशनल्स में एमडी नवाब ने वन-ओवर 217 के साथ 13वां स्थान हासिल करके सबसे अच्छा प्रदर्शन किया।

पेगुला को हराकर रायबाकिना मियामी ओपन के सेमीफानल में

फ्लोरिडा (अमेरिका)(वार्ता) एलेना रायबाकिना ने जेसिका पेगुला को लगातार पांचवीं बार हराकर मियामी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना ने अमेरिका की जेसिका पेगुला को 2-6, 6-3, 6-4 से हराकर यह मुकाबला जीता। 32 वर्षीय पेगुला ने पहले सेट में 4-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन रायबाकिना ने जोरदार वापसी की। उन्होंने 15 ऐस लगाए और 10 में से आठ ब्रेक पॉइंट बचाकर जीत हासिल की। सेमीफाइनल में रायबाकिना का मुकाबला दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका से होगा। मुकाबला जीतने के बाद 26 वर्षीय रायबाकिना ने कहा, जेसिका के खिलाफ खेलना हमेशा बहुत मुश्किल होता है। उन्होंने अच्छी शुरुआत की थी, और मैं जल्दबाज़ी कर रही थी और निराश भी थी, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं वापसी करने में कामयाब रही और दूसरे सेट में मैच का रुख अपनी ओर मोड़ लिया। दूसरे सेमीफ़ाइनल में अमेरिकी चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी कोको गॉफ और चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा आमने-सामने होंगी।

हर्षित राणा के रिप्लेसमेंट बने ■ बुमराह बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचे

केकआर में पेसर नवदीप सैनी की एंट्री

मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL 2026 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने तेज गेंदबाज नवदीप सैनी को टीम में शामिल किया है। वे चोटिल हर्षित राणा की जगह खेलेंगे। हर्षित टी-20 वर्ल्ड कप के प्रैक्टिस मैच में साउथ अफ्रीका के खिलाफ चोटिल हो गए थे। वहीं भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट के लिए बेंगलुरु स्थित BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचे हैं। यहां वे स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग पर काम कर रहे हैं। कोलकाता अपना पहला मैच मुंबई के खिलाफ 29 मई को वानखेड़े में खेलेगी। हर्षित राणा IPL 2026 से पूरी तरीके से बाहर हो गए हैं। इससे पहले राणा चोट की वजह से टी-20 वर्ल्ड कप भी नहीं खेल पाए थे। टीम मैनेजमेंट ने विकल्पों पर चर्चा के बाद सैनी को चुना। इससे पहले KKR आकाश दीप की जगह सौरभ दुबे को भी टीम में शामिल कर चुका है।

■ नवदीप सैनी IPL में अब तक 23 विकेट ले चुके हैं।

> इधर, भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट के लिए बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचे हैं। यहां वे स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग पर काम कर रहे हैं।

कुलवंत खेजरोलिया जीटी में शामिल

गुजरात टाइटंस ने भी टीम में बदलाव किया है। GT ने पृथ्वीराज यारा की जगह कुलवंत खेजरोलिया को शामिल किया है। खेजरोलिया ने IPL डेब्यू RCB से किया था और बाद में KKR व GT के लिए भी खेल चुके हैं। गुजरात टाइटंस 31 मार्च को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुल्लांपुर में अपना अभियान शुरू करेगी।

बुमराह IPL 2026 में मुंबई इंडियंस के पहले मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। हाल ही में उन्होंने टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। मुंबई इंडियंस ने वानखेड़े में अभ्यास भी शुरू कर दिया है।

सैनी ने 2019 में पहला सीजन खेला

नवदीप सैनी ने IPL करियर की शुरुआत 2019 में RCB के साथ की थी। पहले सीजन में उन्होंने 13 मैच में 11 विकेट लिए थे। इसके बाद वे दो सीजन RCB के साथ रहे और फिर राजस्थान रॉयल्स में शामिल हुए। सैनी ने अब तक IPL में 23 विकेट लिए हैं और भारत के लिए तीनों फॉर्मेट खेल चुके हैं।

क्रिकेटर शेन-वॉर्न के परिवार को मिल सकते हैं 460 करोड़

करीब 20 साल पहले लिए फैसले से फायदा

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स से ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न के परिवार को 450 से 460 करोड़ रुपए मिल सकते है। यह फायदा वॉर्न के उस फैसले की वजह से हो सकता है, जो उन्होंने करीब 20 साल पहले टीम के साथ कॉन्ट्रैक्ट करते समय लिया था।

दरअसल, इंडियन प्रीमियर लीग के पहले सीजन में राजस्थान रॉयल्स ने स्पिनर शेन वार्न को टीम का कप्तान बनाया था। उस समय उन्हें सिर्फ खिलाड़ी और कप्तान के रूप में ही नहीं, बल्कि क्रिकेट संचालन से जुड़े कई फैसलों की जिम्मेदारी भी दी गई थी। इसी दौरान वॉर्न ने अपनी सैलरी के साथ फ्रेंचाइजी में हिस्सेदारी की मांग की थी, जिसे टीम मैनेजमेंट ने स्वीकार कर लिया था। इंडियन प्रीमियर लीग का पहला सीजन राजस्थान रॉयल्स ने जीता था। 4 मार्च 2022 को शेन वॉर्न का 52 साल की उम्र में निधन हो गया था। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन द्वारा किए गए समझौते के तहत वॉर्न को हर सीजन खेलने के बदले करीब 6.57 लाख डॉलर की सैलरी के साथ 0.75 प्रतिशत टीम की हिस्सेदारी दी गई। वॉर्न ने राजस्थान रॉयल्स टीम के लिए चार सीजन तक खेला, जिसके बाद उनकी कुल हिस्सेदारी बढ़कर लगभग 3 प्रतिशत तक पहुंच गई।

■ राजस्थान रॉयल्स को 2008 में आईपीएल जितवाया था

किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, इलाकों में सनसनी फैल गई

परिजनों के अनुसार, काफी देर तक घर न लौटने पर जब खोजबीन शुरू की गई, तब जाकर बच्ची का शव खेत में मिला। परिजन इसे सामान्य घटना मानने को तैयार नहीं हैं और उन्होंने आशंका जताई है कि यह मामला सिर्फ दुर्घटना नहीं, बल्कि कुछ और भी हो सकता है।

एजेंसी

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मद-पुर खाला थाना क्षेत्र के बसारी गांव में 11 वर्षीय किशोरी अनुष्का की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने जहां पूरे इलाके को झकझोर दिया है, वहीं इस घटना ने ग्रामीण इलाकों में सनसनी फैल गई हुई है। गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे खेत में काम करने गई अनुष्का का शव शाम को गांव के बाहर गेहूं के खेत में मिलने से गांव में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं ग्रामीणों में घटना को लेकर गहरा आक्रोश भी देखने को मिल रहा है। बताया जा रहा है कि अनुष्का अन्य बच्चों के साथ मेंथा की रोपाई के लिए खेत गई थी। चार बच्चों में से तीन वापस लौट आए, लेकिन अनुष्का का अकेले खेत में रह जाना कई सवाल खड़े करता है। ग्रामीणों का कहना है कि आखिर ऐसी क्या परिस्थितियां बनीं कि एक नाबालिग बच्ची अकेली रह गई और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। घटना के बाद से बसारी गांव में दहशत का माहौल है। खासकर छोटे बच्चों के अभिभावक अब उन्हें अकेले खेत या बाहर भेजने से डर रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांवों में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। सूचना मिलते ही थाना मोहम्मदपुर खाला पुलिस मौके पर पहुंच गई और क्षेत्राधिकारी (सीओ) जगतराम कनौजिया सहित भारी पुलिस बल को तैनात किया गया। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ की और मामले की जानकारी जुटाई। कोतवाल आशुतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है, इसलिए सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गहन जांच की जा रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय और अपर पुलिस अधीक्षक विकास चंद त्रिपाठी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

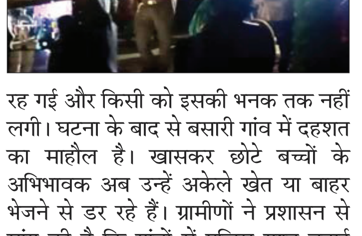

अंपायर ने गेंद को डेड बताया ■ टी-20 वर्ल्ड कप में से चर्चा में आए थे

उस्मान तारिक की नकल करना श्रीलंकाई गेंदबाज को भारी पड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेट के मैदान पर पाकिस्तानी स्पिनर उस्मान तारिक के अनोखे बॉलिंग स्टाइल की नकल करना एक खिलाड़ी को भारी पड़ गया। श्रीलंका के रिचमंड कॉलेज में खेले गए एक मैच में गेंदबाज नेथुजा बशिथा ने तारिक की शैली अपनाने की कोशिश की, लेकिन अंपायर ने इसे नियमों के खिलाफ मानते हुए गेंद को डेड बॉल करार दिया। यह मैच गॉल में 21 मार्च को रिचमंड कॉलेज और महिंदा कॉलेज के बीच खेला गया था। पाकिस्तानी स्पिनर उस्मान तारिक इन दिनों अपनी अनोखी गेंदबाजी शैली के कारण काफी चर्चा में हैं। हाल ही में समाप्त हुए ICC टी-20 वर्ल्ड कप में उन्होंने अपनी गेंदबाजी से सभी को हैरान कर दिया। तारिक गेंद फेंकने से पहले कुछ सेकंड के लिए रुकते हैं, जिससे बल्लेबाजों को उनके खिलाफ खेलना मुश्किल हो जाता है। दरअसल, अंपायर का मानना था कि यह गेंदबाज के सामान्य बॉलिंग एक्शन का हिस्सा नहीं था, बल्कि बल्लेबाज का ध्यान भटकाने की एक कोशिश थी। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान जब उस्मान तारिक ने अपनी गेंदबाजी से भारत और इंग्लैंड जैसे बड़े देशों के बल्लेबाजों को परेशान किया था, तब उनके एक्शन पर भी सवाल उठे थे। हालांकि, ICC ने उनके बॉलिंग एक्शन को पूरी तरह 'लीगल' यानी वैध बताया है।

■ श्रीलंका के रिचमंड कॉलेज के नेथुजा बशिथा ने 21 मार्च को गॉल में महिंदा कॉलेज के खिलाफ खेले गए 'लवर्स क्वारल' मैच में उस्मान तारिक की तरह गेंदबाजी करते हुए बीच में रुकने की कोशिश की।

क्या कहता है क्रिकेट का नियम?

क्रिकेट के नियमों के अनुसार, अगर कोई गेंदबाज जानबूझकर ऐसी हरकत करता है जिससे बल्लेबाज का ध्यान भटके या उसे परेशानी हो, तो अंपायर उस गेंद को डेड बॉल घोषित कर सकता है। गंभीर मामलों में अंपायर बल्लेबाजी करने वाली टीम को 5 पेनल्टी रन भी दे सकता है। बशिथा के मामले में अंपायर ने इसे अनुचित माना क्योंकि वे जानबूझकर तारिक की स्टाइल कॉपी कर रहे थे।

> मैच के दौरान नेथुजा बशिथा ने उस्मान तारिक की तरह रुककर गेंदबाजी करने की कोशिश की। बशिथा अपने रन-अप के दौरान बीच में रुके और कई बार उछलकर गेंद फेंकी। अंपायर ने इसे तुरंत भांप लिया और गेंद को 'डेड बॉल' करार दे दिया।

अटल भूजल योजना में भ्रष्टाचार: गुणवत्ताहीन निर्माण की भेंट चढ़े लाखों की लागत के तालाब, भुगतान से पहले लीपापोती का खेल

मशीनों से कराया काम, मजदूरों के नाम पर फर्जी बिल-बाउचर तैयार | **उत्तर वन मंडल कार्यालय पन्ना में भुगतान हेतु 4 माह से लंबित प्रमाणक** | **घटिया कार्यों के भुगतान को लेकर फॉरेस्ट अफसरों ने निकाली नई तरकीब**

आशीष यादव पन्ना।

पन्ना। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी अटल भूजल योजना के तहत मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में उत्तर वन मंडल द्वारा लाखों रुपये की लागत से निर्मित तालाब गुणवत्ताहीन निर्माण की भेंट चढ़ गए हैं। वन परिक्षेत्र अजयगढ़ एवं धरमपुर अंतर्गत करीब दो दर्जन तालाबों की बदहाल स्थिति यह स्पष्ट कर रही है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों से समझौता किया गया है। वर्तमान में लगभग 70 प्रतिशत तालाब पूरी तरह सूख चुके हैं।

गर्मी के मौसम में, जब पानी की सबसे अधिक आवश्यकता होती है, तब इन तालाबों में एक बूंद पानी का न होना उनकी उपयोगिता पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यह स्थिति भ्रष्टाचार और लापरवाही की ओर इशारा करती है।

सूत्रों के अनुसार, वनरक्षक से लेकर तत्कालीन डीएफओ तक की मिलीभगत से अटल भूजल योजना के बजट का दुरुपयोग किया गया। तालाब निर्माण पर स्वीकृत राशि का केवल एक तिहाई ही वास्तविक कार्य में खर्च किया गया। निर्माण कार्य मशीनों से कराया गया, जबकि कागजों में मजदूरों के नाम पर फर्जी बिल-बाउचर (प्रमाणक) तैयार किए गए।

उत्तर वन मंडल कार्यालय में पिछले चार माह से करोड़ों रुपये के ये प्रमाणक लंबित पड़े हैं। भुगतान से पहले नए डीएफओ द्वारा तालाबों की मरम्मत के नाम पर लीपापोती कराई जा रही है, ताकि घटिया निर्माण को छिपाया जा सके।

14 से 25 लाख रुपये तक है प्रत्येक तालाब की लागत

उत्तर वन मंडल के जलसंकटग्रस्त क्षेत्रों—वन परिक्षेत्र अजयगढ़ और धरमपुर—में अटल भूजल योजना के तहत लगभग दो दर्जन तालाबों का निर्माण कराया गया। भूजल स्तर सुधार, जल

संरक्षण और जल सुरक्षा के उद्देश्य से बनाए गए ये तालाब अपने लक्ष्य को पूरा करने में पूरी तरह विफल साबित हुए हैं।

निर्माण कार्य में भारी अनियमितताओं के चलते तीन तालाब कुछ माह पूर्व बारिश के दौरान फूट गए थे। पहली ही बारिश में तालाबों का टूट जाना निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उस समय तत्कालीन डीएफओ गर्वित गंगवार ने इन तालाबों को निर्माणाधीन बताया था, जबकि वास्तविकता यह थी कि कार्य पूर्ण हो चुका था और भुगतान के लिए प्रमाणक कार्यालय भेजे जा चुके थे।

जो तालाब नहीं फूटे, उनमें भी पानी नहीं टिक पाया। 14 से 25 लाख रुपये की लागत से बने इन तालाबों में से 60 प्रतिशत से अधिक तालाब जनवरी माह में ही सूख गए थे। जलभराव क्षेत्र सूखे मैदान में तब्दील हो गए हैं। इसका मुख्य कारण लीकेज-सीपेज, तकनीकी दृष्टि से अनुपयुक्त स्थल चयन और कम जलधारण क्षमता है।

सूखे पड़े ये तालाब ग्रामीणों और मूक वन्य प्राणियों दोनों के लिए निराशा का कारण बने हुए हैं। वहीं, इन पर खर्च किए गए लाखों रुपये पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

जांच के लिए गठित की गई संयुक्त टीम

तालाब निर्माण में अनियमितताओं की खबरें सामने आने के बाद वन विभाग के अधिकारी अब भुगतान को लेकर सतर्क हो गए हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति से पहले लंबित प्रमाणकों के भुगतान से पूर्व तालाबों की मरम्मत कराई जा रही है।

वन परिक्षेत्र अजयगढ़ में पिछले एक माह से मरम्मत के नाम पर लीपापोती जारी है। इसके साथ ही डीएफओ धीरेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा तालाबों की जांच के लिए एक संयुक्त टीम गठित की गई है। इस टीम में उप वनमंडलाधिकारी, रेंजर तथा तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा (RES) संभाग पन्ना के एसडीओ और उपयंत्री को शामिल किया गया है। टीम पखवाड़े भर पहले निरीक्षण भी कर चुकी है।

दरअसल, यह पूरी कवायद अधिकारियों की आशंका और दबाव को दर्शाती है। अटल भूजल योजना के तहत बने तालाबों की जानकारी आरटीआई के माध्यम से प्राप्त की गई है और कुछ मामलों में स्थानीय स्तर पर लिखित शिकायतें भी दर्ज हुई हैं।

वन विभाग के अधिकारी भली-भांति जानते हैं कि भुगतान होते ही उच्च स्तरीय जांच और शिकायतें हो सकती हैं। ऐसे में, संयुक्त जांच टीम का गठन एक रणनीति के रूप में देखा जा रहा है, ताकि भविष्य में किसी भी कार्रवाई की स्थिति में यह कहा जा सके कि भुगतान तकनीकी विशेषज्ञों की रिपोर्ट के आधार पर किया गया।

इनका कहना है-

अटल भूजल तालाबों की जांच के लिए गठित दल में एसडीओ (फॉरेस्ट) विश्रामगंज के अलावा दो विभागों के तकनीकी अधिकारी शामिल हैं। जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की जा चुकी है। जांच के दौरान तालाबों की मरम्मत कराए जाने का मुझे पता नहीं है। दरअसल, इनका बजट आ चुका है, इस बीच शिकवा-शिकायतों के चलते भुगतान से पूर्व जांच कराना उचित समझा। तालाबों के भुगतान की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

धीरेन्द्र प्रताप सिंह, डीएफओ, उत्तर वन मण्डल, पन्ना।

संक्षिप्त समाचार

शुक्ल ने रानी तालाब मंदिर में की पूजा-अर्चना

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने रीवा शहर में स्थित रानी तालाब मंदिर में महाअष्टमी के अवसर पर माँ काली के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उप मुख्यमंत्री ने सभी के कल्याण के लिए मंगल कामना की। इसके बाद उप मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोज कराया।

शुक्ल ने बेला-चोरहटा बाईपास निर्माण कार्य का लिया जायजा

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा में बेला-चोरहटा बाईपास निर्माण कार्य का जायजा लिया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण हो तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। यह मार्ग क्षेत्रीय यातायात को सुगम बनाते हुए आमजन को बेहतर आवागमन सुविधा प्रदान करेगा। हमारा लक्ष्य है कि विकास कार्यों में गति और गुणवत्ता दोनों सुनिश्चित हों, जिससे प्रदेश की आधारभूत संरचना और अधिक सुदृढ़ हो।

नर्मदा पथ यात्रा पर निकले पूर्व आईएएस श्रीवास्तव

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। नर्मदा पथ की परिक्रमा एवं आध्यात्मिक यात्रा पर निकले पूर्व आईएएस एवं कायस्थम के सलाहकार ओ.पी. श्रीवास्तव और उनकी धर्मपत्नी भारती श्रीवास्तव का जगह जगह आत्मीय स्वागत हो रहा है। बुधवार को जबलपुर में पुष्प वर्षा से उनका स्वागत हुआ। कायस्थम ने अपने आजीवन सदस्य श्रीवास्तव दंपति को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

कृषि मेला खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने का महायज्ञ : शिवराज सिंह

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा

रायसेन में 11 से 13 अप्रैल तक आयोजित होगा राष्ट्रीय कृषि मेला

भोपाल। केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उन्नत कृषि मेला और प्रशिक्षण कार्यक्रम खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने, किसानों की आय बढ़ाने का महायज्ञ है। इसमें सभी की भागीदारी जरूरी है। यह मेला यहां की कृषि को एक नई दिशा देने का प्रयास है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार को मध्य प्रदेश के रायसेन जिला मुख्यालय स्थित दशहरा मैदान पहुंचे थे। वे आगामी 11 से 13 अप्रैल 2026 तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर के तीन दिवसीय वृहद उन्नत कृषि मेला प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के बाद अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने आयोजन की तैयारियों का विधिवत शुभारंभ किया और कार्यक्रम स्थल का भ्रमण कर आयोजन की रूपरेखा अनुसार बैठक व्यवस्था, विभिन्न सत्रों के लिए स्थल, स्टॉल और तकनीकों के सजीव प्रदर्शन आदि के बारे में मप्र शासन के कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा जिले के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह पंवार, सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों तथा केन्द्र और प्रदेश सरकार के

वरिष्ठ कृषि अधिकारियों तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की।

केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कार्यक्रम स्थल पर भारत सरकार के कृषि विभाग के संयुक्त सचिव संजय अग्रवाल, मप्र शासन के कृषि विभाग के प्रमुख सचिव निशांत बरबड़े, केन्द्रीय कृषि विभाग के निदेशक (किसान कल्याण एवं विस्तार) अविनाश लावनिया, मप्र मंडी बोर्ड के एमडी कुमार पुरुषोत्तम तथा कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के साथ कार्यक्रम आयोजन के संबंध में विस्तृत चर्चा की।

क्षेत्र में कृषि को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण प्रयास

केन्द्रीय मंत्री चौहान ने अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि यह आयोजन क्षेत्र में कृषि की दिशा बदलने का महत्वपूर्ण प्रयास है। कृषि मेला आयोजन की सभी तैयारियां समय से पूर्ण हो, किसानों तक कृषि मेला आयोजन और उसके उद्देश्यों की जानकारी पहुंचे, व्यापक प्रचार-प्रसार हो। किसानों तक यह जानकारी पहुंचना जरूरी है कि यह मेला, राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हो रहा है, जिसमें किसानों के समक्ष खेती की विभिन्न उन्नत तकनीकों और पद्धतियों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि यह उन्नत कृषि मेला यहां की कृषि को एक नई दिशा देने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय स्तर के कृषि मेला और प्रशिक्षण में मध्य प्रदेश ही नहीं, देश के अन्य राज्यों से भी प्रगतिशील किसान, कृषि वैज्ञानिक, कृषि उपकरण बनाने वाली कम्पनियों सहित कृषि क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहीं निजी कम्पनियां भी यहां आएगीं। उन्होंने बताया कि मेले में लगभग 200 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां किसानों को जानकारी दी जाएगी और सजीव प्रदर्शन भी होगा। चौहान ने कहा कि किसानों को आय बढ़ाने के लिए परम्परागत खेती के अलावा फलों की खेती, फूलों की खेती, सब्जी की खेती, प्राकृतिक खेती, पशुपालन, बकरी पालन, मधुमक्खी पालन आदि अपनाना होगा। यहां आयोजित होने वाले मेले में इन सभी प्रदर्शन किया जाएगा। किसानों को तकनीकी जानकारी देने के साथ ही लाइव प्रदर्शन भी होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा के पास हुई सड़क दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया

दिवंगत व्यक्तियों के परिजन को 4-4 लाख की सहायता राशि देने के निर्देश

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा के पास हुई सड़क दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा जिला प्रभारी मंत्री श्री राकेश सिंह को घटना में प्रभावित लोगों से मिलने के लिये निर्देशित किया है।

उल्लेखनीय है कि गुरुवार की शाम को छिंदवाड़ा-नागपुर रोड पर हृदय विदारक सड़क दुर्घटना हुई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए परम पिता परमात्मा से प्रार्थना की है कि सभी दिवंगत नागरिकों की

आत्मा को शांति प्रदान करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुर्घटना में घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संबंधित अधिकारियों को घायलों के समुचित इलाज के लिए उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। जबलपुर से डॉक्टर्स के दल पैरामेडिकल स्टाफ सहित छिंदवाड़ा और नागपुर भेजने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा के प्रभारी मंत्री श्री राकेश सिंह को भी अपने कार्यक्रम परिवर्तित कर तत्काल छिंदवाड़ा पहुँचने के लिए निर्देशित किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर मृतकों के निकटम परिजनों को चार-चार लाख रूपये की सहायता राशि और गंभीर रूप से घायलों को एक-एक लाख रुपये की सहायत राशि प्रदान की जाएगी। सभी घायलों का इलाज निःशुल्क किया जाएगा। राजधानी भोपाल में स्वास्थ्य विभाग में नियंत्रण कक्ष बनाकर सभी घायलों के उपचार की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है।

देश भर में सुविधाजनक पुलियाएं बनाने का रेल मंत्री का निर्देश

पटरी पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए रेल पुलियाओं से लगेगी रोक

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। रेल पटरी पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं को अब रेलवे मिशन मोड में रोकेगा। सुविधाजनक पुलियाएँ बनाकर इसे सुनिश्चित किया जाएगा। इसकी व्यापक तैयारियों के रूप में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को नई दिल्ली में संबंधित अधिकारियों की एक वर्कशॉप की। जहाँ रेल पटरी के एक तरफ बस्ती है और दूसरी तरफ़ खेत, विद्यालय, श्मशान या अन्य उपयोगी एवं महत्वपूर्ण स्थान, ऐसे स्थानों पर ये रेल पुलियाएँ बनाई जायेंगी। रेल मंत्री ने देशभर में ऐसी रेल पुलियाओं को बनाने का निर्देश दिया, जहाँ अपने रोजमर्रा के जीवन में बड़ी संख्या में लोग

पटरियों को पार करते हैं।

जीवनदायी विकल्प के रूप में उभरेगी रेल पुलिया : रेल मंत्री ने अधिकारियों को एक ऐसी सुविधाजनक रेल पुलिया बनाने को कहा जो पटरी पार करने वाले लोगों के लिए एक जीवनदायिनी विकल्प के रूप में उभरे। इन रेल पुलियाओं को बनाते समय यह ध्यान रखा जाएगा कि एक आम आदमी साइकिल, मोटर साइकिल तथा कामकाज से जुड़ी अन्य चीजों को भी अपने साथ ले जा सके। इससे देशभर में पटरी पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं पर रोक लगेगी। देश की एक बड़ी आबादी के लिए भारतीय रेल की ये पुलिया वरदान साबित होगी।

रेल मंत्री ने अधिकारियों को देश की इस बड़ी समस्या से अगले 5-6 वर्षों में निजात दिलाने को कहा। ये पुलियाएँ इस प्रकार से बनाई जायेंगी ताकि पटरियों के आर पार इनका निर्माण मात्र 12 घंटे में हो सके। रेल मंत्री ने कहा कि, डिज़ाइन इस प्रकार की हो, ताकि लोगों को इसे इस्तेमाल करने में कोई हिचक न हो। जल भराव से पुलिया प्रभावित न हो। रेल पुलिया बनाने का यह महत्वपूर्ण निर्णय पिछले कई दिनों से अधिकारियों के साथ चली आ रही मंत्रणा का परिणाम है।

मिशन 2028 : मध्य प्रदेश कांग्रेस का टैलेंट हंट, भोपाल में युवाओं ने दिखाए तेवर

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। मध्य प्रदेश में साल 2028 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस ने अभी से बिसात बिछानी शुरू कर दी है। सत्ता की दहलीज तक पहुँचने की कवायद में जुटी कांग्रेस अब अपनी रीति-नीति और विचारधारा को जनता तक और अधिक प्रभावी ढंग से पहुँचाने के लिए नए चेहरों की फौज तैयार कर रही है। इसी कड़ी में प्रदेश स्तरीय टैलेंट हंट कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले युवाओं को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है।

ग्वालियर में सफल आयोजन के बाद, गुरुवार को राजधानी भोपाल में

टैलेंट हंट के लिए साक्षात्कार आयोजित किए गए। इस दौरान बड़ी संख्या में प्रदेश भर से आए युवाओं ने हिस्सा लिया। दिल्ली से आए कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और टैलेंट हंट के नोडल अधिकारी अनिल यादव ने अभ्यर्थियों के साथ सीधा संवाद किया और उनके विजन को समझा।

भ्रष्टाचार और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों पर युवाओं की हुंकार : इंटरव्यू देने आए नौजवानों में इस अभियान को लेकर खासा उत्साह देखा गया। अभ्यर्थियों का मानना है कि देश और प्रदेश में व्याप्त भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और महिला उत्पीड़न जैसे गंभीर मुद्दों पर कांग्रेस जिस तरह से कार्य कर रही है, उससे प्रभावित होकर वे पार्टी के साथ जुड़ना चाहते हैं। टैलेंट हंट के जरिए कांग्रेस उन युवाओं को एक मंच प्रदान कर रही है, जिनमें नेतृत्व क्षमता है लेकिन उनका कोई राजनीतिक बैकग्राउंड नहीं है।

स्नातक, स्नातकोत्तर छात्र कल तक करा सकेंगे प्रवेश नवीनीकरण

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के हजारों विद्यार्थियों के हित में एक बड़ा फैसला लेते हुए प्रवेश नवीनीकरण के लिए विशेष अवसर प्रदान किया है। यह निर्णय मुख्य रूप से उन छात्रों के लिए लिया गया है जो पूरक परीक्षा के परिणामों में देरी होने के कारण समय पर अपनी अगली कक्षा में प्रवेश की औपचारिकताएं पूरी नहीं कर पाए थे।

विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, इस विशेष छूट का लाभ इन छात्रों को मिलेगा

स्नातक (UG) : द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थी।

स्नातकोत्तर (PG) : तृतीय सेमेस्टर के छात्र।

विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी

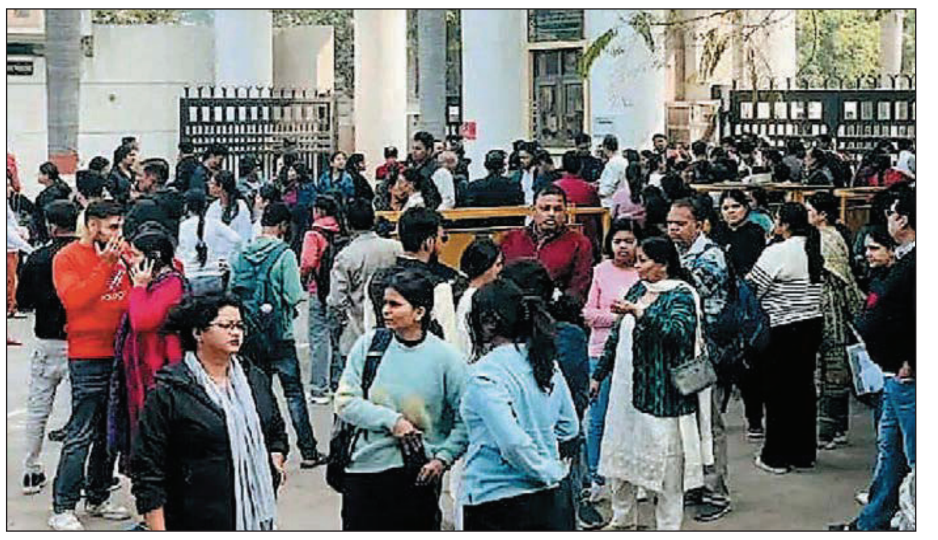

डॉ. दिवा मिश्रा ने बताया कि कई छात्र तकनीकी और प्रशासनिक कारणों से प्रवेश से वंचित रह गए थे। छात्रों के शैक्षणिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए विभाग ने 28 मार्च 2026 तक पोर्टल को पुनः सक्रिय रखने का निर्णय लिया है।

कॉलेजों को सख्त निर्देश : उच्च शिक्षा विभाग ने सभी शासकीय और अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देशित किया है कि अपने संस्थान के ऐसे विद्यार्थियों की तत्काल पहचान करें जिनका नवीनीकरण शेष है। छात्रों को सूचित कर निर्धारित समय-सीमा में शुल्क जमा करवाना सुनिश्चित करें। प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की देरी न हो, ताकि छात्रों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

अंतिम अवसर : विभाग की चेतावनी

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यह सुविधा एक सीमित समय के लिए दी गई है। यदि छात्र 28 मार्च तक अपनी प्रक्रिया पूरी नहीं करते हैं, तो उनकी शैक्षणिक निरंतरता बाधित हो सकती है। विभाग ने छात्रों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना तत्काल पोर्टल के माध्यम से अपनी औपचारिकताएं पूरी करें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नवीन आनंद जोशी द्वारा सुपर प्रिंटिंग प्रेस, 17 चौकी तलैया, भोपाल से मुद्रित एवं ई-100/22, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। सम्पादक- नवीन आनंद जोशी। समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।